रांची, शनिवार
22.02.2025
वर्ष : 10, अंक : 83 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

आदिवासी युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठा रही सरकार: मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से आज झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेन्थल (यूएसए) ने मुलाकात कर वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ उनके कल्याण की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए आश्रम आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों में आए सकारात्मक बदलावों को भी मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने इस

अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा इस राज्य के आदिवासी समाज के उत्थान और विकास के लिए किए जा रहे कार्यों को विस्तार से जाना और उसकी सराहना की।इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बाहुल्य राज्य है। इस राज्य की आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सहित अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न संस्थाओं का सहयोग काफी कारगर साबित हो सकता है । सरकार सभी के सकारात्मक सहयोग से इस राज्य को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरोहण को शिक्षा के मुख्य प्रणाली से जोड़ने की जरूरत

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह संस्था आरोहण के जरिए बिहार की शिक्षा व्यवस्था के साथ जुड़कर काम कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में भी आरोहण को शिक्षा के मुख्य प्रणाली मैं कैसे शामिल किया जाए, इसके लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस दिशा में झारखंड के शिक्षकों एवं अधिकारियों की टीम को बिहार में आपके द्वारा किए गए कार्यों को देखने के लिए भेजा जाएगा।

युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की जरूरत

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की झारखंड प्रभारी सुनीता मुंडा ने इस संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देने के क्रम में कहा कि यहां के आदिवासी युवाओं में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। विपरीत परिस्थितियों से भी वे लड़ने की पूरी क्षमता रखते हैं। लेकिन, मानसिक रूप से उन्हें थोड़ा मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में यह संस्था अपने आरोहन कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने भी कहा कि आदिवासी युवा मानसिक रूप से कैसे मजबूत हों, इसमें सरकार आपके द्वारा किए गए कार्यों का गहराई से आकलन कर आगे बढ़ेगी।

झारखंड विस बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, भाजपा-आजसू रहे अनुपस्थित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाजपा और आजसू ने हिस्सा नहीं लिया। बैठक में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक प्रदीप यादव, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, राजद विधायक सुरेश पासवान और जदयू विधायक सरयू राय शामिल हुए।

बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने कहा कि सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की गैर-मौजूदगी पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे सदन के संचालन में कठिनाई होती है। उन्होंने कहा, ₹गाड़ी के दो पहियों में से एक न हो तो तकलीफ होगी ही।₹विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि भाजपा को बैठक में शामिल होने के लिए पत्र भेजा गया था, लेकिन पार्टी के किसी भी प्रतिनिधि ने इसमें भाग नहीं लिया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मूल बजट पर दो दिनों तक चर्चा होगी और तीन मार्च को बजट पेश किया जाएगा।बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भाजपा विधायक दल के नेता को लेकर सवाल किया गया, जिस पर उन्होंने कहा, भाजपा वाले विधायी प्रक्रिया अच्छे से जानते हैं। इसपर मुझसे क्या सुनना चाहते हैं? यह सत्र चलेगा और उम्मीद है कि सभी सदस्य अपने क्षेत्र और राज्य के मुद्दों को सदन में रखेंगे।

विकसित भारत के लिए हर क्षेत्र में सर्वोत्तम नेतृत्व जरूरी : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए देश के हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में दिन-रात काम करने उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है जो वैश्विक सोच और स्थानीय विकास के विचार पर चले।

श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का

उद्घाटन किया। उनके साथ भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी मौजूद थे।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये कार्यक्रम सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव भी ऐसा ही आयोजन है। राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण।

उन्होंने कहा कि यदि जन से जगत तक किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन लीडर्स का विकास बहुत जरूरी है और समय की मांग है। इसलिए सोल की स्थापना विकसित भारत की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद भारत को गुलामी से बाहर निकालकर भारत को परिवर्तित करना चाहते थे और उनका विश्वास था कि अगर सौ लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है। आज हर भारतीय, 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए दिन-रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के लिए हमारी लड़ाई से बेहतर साझा उद्देश्य का कोई उदाहरण नहीं हो सकता...आज, हमें स्वतंत्रता की भावना को पुनर्जीवित करना होगा और इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना होगा...यदि आप स्वयं को विकसित करते हैं, तो आप व्यक्तिगत सफलता का अनुभव कर सकते हैं। यदि आप एक टीम विकसित करते हैं, तो आपका संगठन विकास का अनुभव कर सकता है; और यदि आप नेताओं को विकसित करते हैं, तो आपका संगठन बहुत तेजगति से प्रभावी विकास कर सकता है।

हेमंत सरकार के मंत्रियों को मिला बंगला

बिभा संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार ने शुक्रवार को रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी में बनाए गए बंगलों को कैबिनेट के सभी मंत्रियों को आवंटित कर दिया। इस संबंध में भवन निर्माण विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

विभाग ने कहा है कि आवंटित आवासीय भवन, आवासीय परिसर में किसी भी तरह का निर्माण एवं परिवर्तन बिना अनुमति के नहीं किया जा सकता है।

वहीं, पहले से किसी मंत्री को कोई

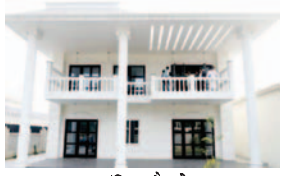

आवास आवंटित है तो वह स्वतः अब रद्द हो जायेगा।

जारी आदेश के अनुसार वित्तर मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बंगला संख्या-तीन, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरूआ को बंगला संख्या-आठ, कल्याण मंत्री चमरा लिंडा को बंगला संख्या-सात, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव को बंगला संख्या- 11, स्कूली शिक्षा साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन को बंगला संख्या-दस, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को बंगला नंबर चार, जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन को बंगला नंबर-छह, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह को बंगला संख्या-नौ, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद को बंगला संख्या-पांच, नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार को बंगला संख्या- एक, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को बंगला संख्या - दो आवंटित किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय जल दिवस पर रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित होंगे

रामगढ़(बिभा): उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सर्वप्रथम जिला गंगा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी समिति के सदस्यों से ली। मौके पर जिला परियोजना पदाधिकारी नमामि गंगे योजना चंदन कुमार के द्वारा उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को नमामि गंगे योजना के तहत मार्च माह में आयोजित किये जाने वाले गतिविधियों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। मौके पर उप विकास आयुक्त ने अंतरराष्ट्रीय जल दिवस के मद्देनजर विभिन्न पर्यटन स्थलों पर नमामि गंगे योजना के उद्देश्यों, साफ-सफाई बनाए रखने एवं विभिन्न कॉलेजों के सहयोग से रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर लोगों में जागरूकता लाने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर, गंगा समिति सदस्य गोविंद मेवाड, प्राचार्य रामगढ़ कॉलेज, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, एसएमपीओ, सीसीएल टाटा सहित अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि, अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

सदर अस्पताल से अगवा हुई बच्ची को किया बेड़ो से बरामद

रांची(बिभा) : रांची के सदर अस्पताल से 17 फरवरी को अगवा की गई 7 दिन की मासूम बच्ची को रांची पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में एक महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। बच्ची की बरामदी रांची के बेड़ो इलाके से हुई, और पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी महिला को पकड़ने में सफलता हासिल की। शुक्रवार को रांची पुलिस द्वारा मामले की पूरी जानकारी दी जाएगी। बता दें कि रांची के लोअर बाजार थाने में 17 फरवरी को बच्ची के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। आरोपी महिला ने कई महीनों से अपने गांव में यह अफवाह फैला रखी थी कि वह गर्भवती है, जबकि असल में वह गर्भवती नहीं थी। इस दौरान महिला रांची के सरकारी अस्पतालों का लगातार दौरा कर रही थी और एक बच्चा चुराने की योजना बना रही थी। 13 फरवरी को महिला ने रांची के सदर अस्पताल का दौरा किया और 14 फरवरी को वहां पिठोरिया निवासी सबिता देवी ने बच्ची को जन्म दिया। महिला ने सबिता की बहन (मासूम की मौसी) को झांसा देकर बच्ची को लेकर फरार हो गई। आरोपी महिला ने मासूम की मौसी को यह कहकर बहलाया कि वह तंत्र-मंत्र से उपाय कर सकती है, जिससे बच्ची अपनी मां का दूध पी सकेगी। इसके बाद महिला ने बच्ची की मौसी को रांची के पहाड़ी मंदिर में ले जाकर पूजा करवाई और उसे घूंघट ओढ़ने के लिए कहा। इस बीच, महिला बच्ची को लेकर फरार हो गई। रांची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल टीम का गठन किया और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस की तकनीकी टीम ने आरोपी महिला को पकड़ने में मदद की और बच्ची को सुरक्षित बरामद किया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया, जो रांची के नरकोपी इलाके की रहने वाली है।

एक दिवसीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण विद्या मंदिर डकरा मे किया गया

खलारी(बिभा)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा में संकुल के दीदियों एक दिवसीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।प्रशिक्षण में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामगढ़ एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मोराबादी की प्रशिक्षित दीदी अंजू कुमारी, बबीता रानी ,सुमन संगीता बेक,नीरज झा को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के संबध में विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल मिस्त्री विश्वकर्मा ने बताया कि विद्यालय में नई शिक्षा नीति के तहत एनईपी के माध्यम से बच्चों को बैगलेस एजुकेशन दी जाए, इसके लिए काम किया जा रहा है। कक्षा में बच्चे अनुभव आधारित और क्रिया आधारित की पढ़ाई कर रहे हैं। जिसमें भाषा प्रयोगशाला, वस्तु संग्रहालय, विज्ञान प्रयोगशाला, रंगमंच कार्यशाला, कला कार्यशाला आदि देखने को मिलते हैं। यहां बच्चे खेल खेल में काफी कुछ सीख रहे हैं।

राहे सीओ ने सिल्ली थाना क्षेत्र से अवैध बालू उत्खनन कर ले जा रहे 3 ट्रेक्टर को किया जप्त

सिल्ली (बिभा): राहे अंचलाधिकारी ने शुक्रवार को सिल्ली थाना क्षेत्र के राढ़ू नदी का पोगड़ा बालू घाट से अवैध बालू उत्खनन कर ले जा रहे 3 ट्रैक्टर को जप्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सिल्ली पुलिस को सौपा । बताया जाता है कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान सीओ ने देखा कि राढ़ू नदी का पोगड़ा घाट से अवैध बालू उत्खनन ट्रैक्टर से ले जाया जा रहा था। इस दौरान ट्रैक्टर के ड्राइवर से पूछताछ करने की कोशिश किया तो ड्राइवर ने ट्रैक्टर छोड़ फरार हो गया। बताया जाता है की सीओ ने आगे की कार्रवाई के लिए खनन विभाग को भी सूचित कर दिया है। मालूम हो कि इसके पूर्व भी राहे सीओ ने छापामारी अभियान चलाकर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ कर कानूनी कार्रवाई के लिए थाने के सिल्ली थाना के हवाले किया था। जप्त किए गए तीनों ट्रैक्टर के मालिक जोन्हा निवासी बताया जाता है। ज्ञात हो कि सिल्ली थाना क्षेत्र में अवैध बालू का कारोबार बड़े पैमाने पर बेखौफ जारी है सूत्रों का माने तो रोजाना सिल्ली थाना क्षेत्र के झाबरी, श्यामनगर, हजाम, जयनगर आदि बालू घाट से एक आध नही बल्कि 60-70 हाइवा, ट्रबो और ट्रेक्टरों अवैध बालू की ढूलाई शाम होने के बाद से लेकर अहले सुबह तक किया जाता है। बताया यह भी जाता है की इस दौरान जिन्हें अवैध कारोबार रोकने की जिम्मेदारी है वो लोग और बालू माफिया काले शीशा वाले गाड़ी में रहते है और रास्ते में रातभर पेट्रोलिंग करते है।

अतिक्रमण के विरुद्ध जिला प्रशासन, नगर परिषद व छावनी परिषद द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया अभियान

अतिक्रमणकारियों को सोमवार से नहीं बख्शा जाएगा : मनीष कुमार

दो जेसीबी के साथ निकला प्रशासन कुछ खास कर नहीं सका

बिभा संवाददाता

रामगढ़: उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार द्वारा जिले को जाम मुक्त बनाने व रामगढ़ शहरी क्षेत्र एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला प्रशासन रामगढ़, नगर परिषद एवं छावनी परिषद रामगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से रामगढ़ शहर अंतर्गत रांची रोड क्षेत्र में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया गया।

इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद मनीष कुमार, अंचल अधिकारी रामगढ़ सुदीप एक्वा, नगर प्रबंधक नगर परिषद रामगढ़ सहित अन्य अभियान में शामिल थे। अभियान के तहत रांची रोड क्षेत्र अंतर्गत लगभग 25 से 30 दुकानों से अतिक्रमण हटाया गया। रांची रोड़ चौक के मुख्य सड़क के किनारे स्थित अतिक्रमण को पुरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। एसा पहली बार नहीं हुआ है कुछ दिन बाद पुनः वहीं हाल होना है, यह प्रक्रिया हर एक दो वर्ष में चलती रहती है। प्रभावितों के बीच भय यह भी है कि इस बार उपायुक्त के गलत के विरुद्ध सख्त होने के कारण दुबारा अतिक्रमण करना संभव नहीं होगा। अतिक्रमण में आज ज्यादातर पोल आदि में लगे बोर्ड हि जब्त किया गया है।

वहीं नगर परिषद की टीम द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने को लेकर लगभग 10000 रुपए का चालान कर बता दिया कि जल्द से जल्द अतिक्रमण हटा लिया जाए । इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद मनीष कुमार ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश के आलोक में अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है जो की निरंतर चलाया जाएगा वहीं उन्होंने सभी जिले वासियों से अपील करते हुए कहा है कि वे इन कार्यों में जिला प्रशासन, नगर परिषद व छावनी परिषद का सहयोग करें एवं जहां कहीं भी अतिक्रमण है वे स्वयं रूप से उसे हटाने का कार्य करें। सोमवार से शुरू होने वाले सख्त अभियान में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

रांची रोड़ में कुछ लोगों ने दावा किया कि हमारी रैवती जमीन पर निर्माण है। इस पर अंचल अधिकारी द्वारा कागज व नक्सा दिखाने को कह कर छोड़ दिया गया।

कोयला व्यवसायी आशिक को अगवा कर ले गए थे अपराधी, बेहोशी की हालत में दामोदर नदी के पास छोड़ा

बिभा संवाददाता

पिपरवार। गुरुवार की रात अपहत कोयला व्यवसाय आशिक अली 40 उम्र शुक्रवार की सुबह चोटिल हालत मे अपने घर पहुँचा।गुरुवार की रात पिपरवार थाना क्षेत्र के न्यू मांगर्दहा निवासी आशिक अली को नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने अगवा कर लिया था।अपहरण की सूचना मिलने पर पूरे कोयलांचल क्षेत्र में हड़कंप मच गया।सूचना मिलते ही टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में पिपरवार थाना प्रशांत कुमार मिश्रा तुरंत मौके पर पहुंचे जिसके बाद खलारी मैक्लुस्कीगंज और टंडवा की पुलिस के द्वारा पूरे क्षेत्र में सघन छापामारी एवं सर्च अभियान चलाया गया पुलिस द्वारा इनपुट के आधार पर ताबड़तोड़ संदिग्धों की धर पकड़ शुरू कर दी।

ग्रामीणों के द्वारा कोयला व्यवसायी को घर लाया गया

चारों तरफ से पुलिस द्वारा क्षेत्र की घेराबंदी के कारण अपराधियों ने आशिक अली को घर से 1 किलोमीटर दूर दामोदर नदी के पास छोड़ दिया जहां शुक्रवार को कुछ ग्रामीण युवकों की नजर पड़ते ही इसारा कर बुलाया तब आपबीति बताया युवको ने व्यवसाय को बाइक से घर लाया।गंभीर रूप से घायल होने के कारण परिजनों द्वारा तत्काल बचरा अस्पताल ले जाया गया जहां से बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने रांची रेफर कर दिया।

कोयला व्यवसाय की घर वापसी के बाद पुलिस और परिजनों ने ली राहत की सांस

अपहरण के 12 घंटे तक जहां अपराधी कोयला व्यवसाय के नहीं मिलने पर पुलिस हल्का नजर आ रही थी वही घर वाले किसी अनहोनी की आशंका से काफी बढदहवास हालत में थे।कोयला व्यवसाय आशिक अली के आवास पर काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जूठ गई थी घायल अवस्था में आशिक अली के घर आने पर उसकी मां बाप बेटा बहन और पत्नी सब उसको गले लगा कर रोने लगे।

हाथ पैर बांधकर केवल मारपीट करते रहे अपराधी-आशिक

अपराधियों के चंगुल से मुक्त होकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे कोयला व्यवसाय आशिक अली ने बताया कि गुरुवार की रात करीब 8:30 बजे मैं मार्केट से घर के दरवाजे पर पहुंचा घर के बाहर कार खड़ी कर गेट खोलने के बाद जैसे ही नीचे उतरा तभी पाँच सात की संख्या में हथियार से लैस मुंह बांधे अपराधियों द्वारा मुझे पकड़ लिया।मेरे चिल्लाने पर मेरा बेटा और पिताजी ने अपराधियों से मुझे छुड़ाने की कोशिश की लेकिन मेरे बेटे को पिस्तौल की बट से मारकर घायल कर दिया और पिताजी को हथियार का भय दिखाते हुए मुझे घसीटते हुए पास स्थित स्कूल के पीछे ले गया वहां अपराधियों की बाइक खड़ी थी अपराधियों द्वारा मुझे बंदूक की नोक पर बाइक पर बैठकर पास के जोबिया गांव ले गया।जहां कुछ और अपराधी जुट गए वहां से मेरे हाथ पैर बांधकर मुझे दामोदर नदी पार कर जंगल में ले गया जहां मुझे जानवरों की तरह पीटा गया रात भर मुझे पीटने के बाद मैं बेहोश हो गया था।सुबह जब मुझे होश आया तो मैंने अपने आपको दामोदर नदी के पास पाया जहां मौजूद एक ग्रामीण को इशारे से बुलाया जो मुझे घर तक लाया।

पहले भी दो बार हो चुका है हमला मिल रही थी धमकी

कोयला व्यवसाय आशिक अली पहले से ही उग्रवादियों के निशाने पर थे इसके पूर्व उन पर 12 नवंबर 2024को फायरिंग की गई थी जिसमें वह बाल बाल बचे थे इसके बाद जनवरी में उनके घर के पास अपराधियों द्वारा निशाना बनाने की कोशिश की गई लेकिन ग्रामीणों की सक्रियता से अपराधी भाग गए थे। सूत्रों के अनुसार कोयला व्यवसाय आशिक अली पर पुलिस की मुखभेरी के शक में टीपीसी के उग्रवादियों द्वारा अपहरण की घटना को अंजाम दिया गया है हालांकि किसी भी उग्रवादी संगठन द्वारा अभी तक इसकी जिम्मेवारी नहीं ली है।

घटना में शामिल लोगों को चिन्हित कर लिया गया है एसडीपीओ

पुलिस की सक्रियता के कारण अपराधियों को 12 घंटे के भीतर आशिक अली को छोड़ना पड़ा इस घटना में उग्रवादी।टीपीसी की सक्रियता संलिप्त से इनकार नहीं किया जा सकता है पुलिस द्वारा तकनीकी।सर्विलांस और अन्य सोर्स से अपराधियों की।पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है।

एसएसबी फोर्स वाहन ने दो विद्यार्थियों को कुचला, घटनास्थल पर ही हुई मौत

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अड़की प्रखंड के जारंगा गाँव के गरीब परिवार का दो चिराग तब बुझ गया जब वृहस्पतिवार की शाम एसएसबी फोर्स वाहन की चपेट में आ गये। वहीं घटनास्थल पर ही मोटरसाइकिल सवार छात्र व छात्रा दोनों का देहांत हो गया। यह घटना अड़की थाना क्षेत्र के जारंगा गाँव के जारंगा सरना के निकट खूँटी तमाड़ रोड पर घटी। जानकारी के अनुसार, सशस्त्र सीमा बल की बस एवं बाइक के आमने-सामने की टक्कर में घटनास्थल पर ही बाइक सवार एक छात्र और छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना में मारे गए सोमवारी कुमारी पिता गुरुवा मुंडा उम्र 20 वर्ष अड़की एवं श्रीकांत लोहरा पिता सागु लोहरा उम्र 22 वर्ष जारंगा का रहने वाला था । मिली जानकारी के अनुसार सोमवारी कुमारी पी पी के कॉलेज बुंडू की छात्रा थी, जो एन सी सी की क्लास कर बुंडू से वापस अड़की अपने घर आ रही थी। तमाड़ से अड़की तक सवारी गाड़ी नहीं मिलने के कारण वह पैसेंजर ऑटो से सिंदरी बाजार तक पहुँची, उसी समय युवक श्रीकांत लोहरा अपने पैशन प्रो बाइक से सिंदरी बाजार से अपने गाँव जारंगा आ रहा था। जिससे लिफ्ट लेकर सोमवारी कुमारी बाइक में बैठ गई। जिसे उक्त युवक उसे छोड़ने अड़की जा रहा था। उस समय शाम के 6:00 बजे थे हल्की बूंदाबांदी हो रही थी। बाइक सवार दोनों युवक युवती जरंगा पार कर जैसे ही आगे बढ़े जारंगा सारना के पास विपरीत दिशा से आ रहे सशस्त्र सीमा बल के बस ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। बाइक सवार को रौंदते हुए बस गड्ढे में जा घुसी, जिससे तत्काल दोनों की मौत घटनास्थल पर हो गई। जिसमें मृतकों की पहचान श्रीकांत लोहरा और है के परिवार में उसके एक छोटे भाई और बूढ़ा पिता है जबकि सोमवारी कुमारी के पिता के अलावा परिवार में कोई नहीं है। दोनों ही परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है। बताया जाता है कि उक्त बस जवानों को रिसीव करने तमाड़ की ओर जा रही थी। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण एवं पुलिस मौके पर पहुँची और पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई और शुक्रवार को दोनों के शव को अन्त्यपरिक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। वहीं जैसे ही शव घर पहुँचा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

झारखण्ड जगुआर का 17 वां स्थापना दिवस, विशेष बल के रूप में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में बनायी अपनी अलग पहचान

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड राज्य में वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन हेतु विशेष बल झारखण्ड जगुआर (एस०टी०एफ०) का गठन वर्ष 2008 में किया गया। झारखण्ड जगुआर प्रांगण, टेन्डर ग्राम में 17 वां स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अथिति के तौर पर अनुराग गुप्ता पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक, झारखण्ड ने भव्य परेड की सलामी ली। साथ ही इस अवसर पर झारखण्ड जगुआर के कमांडो दस्ते द्वारा नक्सलियों के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई का प्रदर्शन भी किया गया।

राज्य में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में सफलतापूर्वक कार्रवाई करते हुए झारखण्ड जगुआर ने विगत 17 वर्षों में एक नई बुलंदी हासिल की है।इन 17 वर्षों के सफर में कई वीर जवानों को खोया है। राज्य में शांति और उन्नति का माहौल बनाए रखने में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीद जवानों को पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने अपनी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने अपने संबोधन में झारखण्ड जगुआर के द्वारा राज्य में उग्रवाद उन्मुलन के लिये उग्रवादियों संगठनों के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई की सराहना की। राज्य में कार्यरत अर्द्ध सैनिक बलों के साथ मिलकर इस बल ने अत्यंत दुर्गम एवं संवेदनशील बूढ़ा पहाड़ के क्षेत्र, ळ१ ख४ल्लू३ङ्ग्ल एवं अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र को नक्सल मुक्त बनाने में अपना अप्रतिम योगदान दिया है। नक्सलियों की संख्या एवं नक्सल हिंसा में जो कमी आई है, वह झारखण्ड जगुआर के उच्च नेतृत्व व उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिचायक है। आज झारखण्ड जगुआर राज्य में उग्रवादी गतिविधियों में शामिल सभी संगठनों का मुंहतोड़ जवाब देने और उन्हें जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी तरह तत्पर है।

अनुप बिरथरे पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड जगुआर, ने अपने संबोधन में झारखण्ड जगुआर के विगत 17 वर्षों में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में उपलब्धियों को साझा किया है। चाहे पारसनाथ की ऊंची पहाड़ियां हो या सारंडा के घने जंगल, चाहे बूढ़ा पहाड़ का दुरूह इलाका हो अथवा पारसनाथ पहाड़ का दुर्गम क्षेत्र, झारखण्ड जगुआर ने अपनी शौर्यपूर्ण उपस्थिति सभी जगह दर्ज कराई है। पिछले 17 वर्षों में इस बल नें अनेकानेक अभियानों में सफलताएँ पाई है जिसमें झारखण्ड जगुआर के विभिन्न वर्गों द्वारा 297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है और विभिन्न अभियानों के दौरान 34 दुर्दान्त उग्रवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। झारखण्ड जगुआर के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अब तक 02 अत्ति उत्कृष्ट सेवा पदक, 07 उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा के लिए 56 पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए 02 राष्ट्रपति पुलिस पदक, वीरता के लिए 17 राष्ट्रपति पुलिस पदक, 54 आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक, वीरता के लिए 76 झारखण्ड मुख्यमंत्री पदक, सराहनीय सेवा के लिए 63 झारखण्ड पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा के लिए 03 झारखण्ड राज्यपाल पदक तथा 04 केन्द्रीय गृहमंत्री विशिष्ट ऑपरेशन पदक से सम्मानित किया जा चुका है। आज झारखण्ड जगुआर राज्य में उग्रवादी गतिविधियों में शामिल सभी संगठनों का मुंहतोड़ जवाब देने और उन्हें जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी तरह तत्पर है। झारखण्ड राज्य को देश में एक उग्रवाद राज्य मुक्त बनाने की दिशा में झारखण्ड जगुआर अहम भूमिका निभा रही है।

स्थापना दिवस के इस अवसर पर झारखण्ड जगुआर के 23 शहीद पुलिस पदाधिकारी / कर्मियों के शहादत को नमन करते हुए उनके गृह जिला जाकर उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। साथ ही इस अवसर पर झारखण्ड जगुआर मुख्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

राज्य से उग्रवादी संगठनों का सफाया सुनिश्चित करने हेतु झारखण्ड जगुआर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। झारखण्ड पुलिस और झारखण्ड जगुआर के प्रयास से राज्य में नक्सली घटनाओं में काफी कमी आई है। इस प्रकार झारखण्ड जगुआर निरंतर अपनी कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन करते हुए अपने आदर्श वाक्य ₹जीत ही लक्ष्य₹ को चरितार्थ कर रही ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड के अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के तौर पर एम० एस० भाटिया, पुलिस महानिदेशक, डॉ संजय आनन्दराव लाठकर अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, झारखण्ड, श्रीमती सुमन गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशि० एवं आधु०, झारखण्ड, श्रीमती प्रिया दुबे, अपर पुलिस महानिदेशक, झा०स०पु०, राँची, पुलिस मुख्यालय एवं राँची में पदस्थापित झारखण्ड पुलिस के वरीय पुलिस पदाधिकारी, राज्य/केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के वर्तमान कार्यरत एवं सेवानिवृत वरीय पुलिस पदाधिकारी सहित पुलिस परिवार के अन्य सदस्य की उपस्थिति रही ।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमंत से अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के स्टीव लेवेन्थल ने की मुलाकात

रांची(बिभा): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेन्थल (यूएसए) ने मुलाकात कर वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन द्वारा आरोहन कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों से कराया अवगत।

झारखंड के दो उद्यम में 22 उद्यम शामिल

रांची(बिभा) : झारखंड के 2 स्ट्रॉबेरी और स्ट्रॉबेरी में 22 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में कई बड़े उद्योग वाली आती हैं। मेले का आयोजन श्रम, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है। योग्यता योग्यता, अनुभव और पद के अनुसार। न्यूनतम वेतनमान 7 हजार रुपये प्रति माह और अधिकतम वेतनमान 45 हजार रुपये है। रोजगार प्रमाण पत्र में भाग लेने के लिए बायोडाटा के साथ 2 प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट पैमाने फोटोग्राफ प्रमाण पत्र और स्थानीय प्रमाण पत्र लेना आवश्यक है। रांची में रोजगार मॉल का आयोजन सरकुलर रोड स्थित गेंनिंगयालय परिसर में आयोजित किया गया है। मेला सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होकर शाम 12 बजे तक। 22 स्ट्रेंथ स्कोलैट्स में। इन एसोसिएट्स में रानी हॉस्पिटल, द वासपोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, प्रेमसंस मोटर्स इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड, हातमा रांची, टेली स्टॉक्स, शिवा फाइनेंसियल फोर्स प्राइवेट लिमिटेड, आरोहण रांची फाइनेंसियल फाइनेंस लिमिटेड, क्रोमा प्रेसेंट केयर बरियाटू रांची और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक रांची शामिल हैं।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण : अभाविप

रांची(बिभा)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर ने राज्य सरकार की ओर से अपने कार्यकताओं पर लाठीचार्ज करने पर कड़ा विरोध दर्ज किया है। घटना पर एबीवीपी की केंद्रीय कार्य समिति सदस्य दिशा दित्या ने कहा कि परिषद छात्रों की सबसे सशक्त आवाज है और कार्यकताओं पर लाठीचार्ज और गिरफ्तार कर सरकार उनकी आवाज को नहीं दबा सकती है। 10वीं के परीक्षा के संचालन में सरकार, शिक्षा मंत्रालय और जैक बोर्ड विफल रहा है और इसे छुपाने के लिए सरकार प्रशासन को आगे कर रही है। वहीं रांची जिला संयोजक पवन नाग ने कहा कि सरकार पूरी तरह से गैरझलोकतांत्रिक तरीके से कार्य कर रही है। परिषद के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से झारखंड के छात्र समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन छात्र विरोधी है सरकार विद्यार्थियों के आवाज को दबाने के लिए प्रशासन का गलत तरीके से उपयोग कर रही है। उल्लेखनीय है कि जैक के अध्यक्ष को प्रश्न पत्र लीक मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन देने के लिए जब एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा तो प्रशासन ने परिषद के कार्यकताओं पर लाठीचार्ज कर दिया और परिषद के प्रदेश सह मंत्री ऋतुराज साहदेव और सौरभ यादव को गिरफ्तार कर लिया।

आईएएस पूजा सिंघल को बड़ी राहत, विभाग नहीं देने की मांग वाली ईडी की याचिका खारिज

रांची(बिभा)। रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें ईडी ने कोर्ट से यह आग्रह किया था कि पूजा सिंघल को कोई विभाग ना दिया जाये। इस आदेश से पूजा सिंघल को बड़ी राहत मिली है। ईडी और पूजा सिंघल की ओर से बहस पूरी करने के बाद कोर्ट ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया है। ईडी ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर यह कहा कि अगर पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन कोर्ट ने यह माना है कि पूजा सिंघल को पोस्टिंग देने का अधिकार राज्य सरकार को है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा। कोर्ट ने जो शर्तें लगाई थीं, वे पहले ही काफी हैं और कोर्ट को और शर्तें जोड़ने की जरूरत महसूस नहीं होती। उल्लेखनीय है कि मनरेगा घोटाला की आरोपित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले पांच मई 2022 को ईडी ने पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी। ईडी की छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये नकद बरामद हुई थी। पूजा सिंघल को दिसंबर महीने की 7 तारीख को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अब भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं, लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार, जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा चुका है। फिलहाल सरकार ने पूजा सिंघल को सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव बनाया है।

बाइकसवारों ने महिला से छीने डेढ़ लाख रुपये

रांची(बिभा)। धुर्वा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक महिला से डेढ़ लाख रुपये की छीन लेने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई ।पुलिस बदमाशों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।
जानकारी के अनुसार महिला बिन्दु देवी अपने देवर के साथ धुर्वा स्थित एसबीआई बैंक गयी थी। उसे अपनी बेटी का नर्सिंग में एडमिशन करवाने के लिए पैसे निकालने थे। बैंक से डेढ़ लाख रुपये निकालने के बाद वह घर जा रही थी, इसी दौरान पहले से घात लगाये पल्सर बाइकसवार अपराधियों ने बिंदु देवी के पैसे झपट्टा मारकर छीन लिये और फरार हो गये। थाना प्रभारी ने बताया कि अपराधियों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पोस्ते की खेती पर रोकथाम के लिए दो माह पहले दिये निर्देश पर हुई कार्रवाई की समीक्षा

पोस्ते की फसल पूर्णतः नष्ट करे: मुख्य सचिव

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने कहा है कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान का सकारात्मक परिणाम दीख रहा है, लेकिन पोस्ते की फसल की सौ फीसदी विनष्टीकरण सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े अधिकारी आपसी समन्वय को और मजबूत तथा कारगर करें। जितने कांड दर्ज हुए हैं, उससे कम गिरफ्तारी को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने पर फोकस करें। उन्होंने विनष्टीकरण की प्रक्रिया में जरूरी संसाधनों का वास्तविक आकलन करने पर बल देते हुए कहा कि जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल लगी होने की सूचना पर उन्होंने पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान को 15 मार्च तक जारी रखने का निर्देश दिया। वह शुक्रवार को पोस्ते की खेती के खिलाफ दो माह पहले अपनी अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा कर रही थीं।
समीक्षा के दौरान गृह विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती वंदना डाडेल, कृषि सचिव अबु बक्कर सिद्धीक, पंचायती राज विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे समेत संबंधित प्रमंडलों के आइजी, संबंधित जिलों के एसपी और डीसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

243 कांड किये गये दर्ज, 190 की हुई गिरफ्तारी

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की फसल के विनष्टीकरण के दौरान कुल 283 कांड और 958 सनहा दर्ज किये गये है। इस संदर्भ में कुल 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस प्रमुख श्री अनुराग गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वन विभाग द्वारा पोस्ते की खेती को लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट को आधार बना कर संबंधित लोगों पर एफआइआर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में वन विभाग कानूनन सिर्फ अतिक्रमण का मामला दर्ज करता है, जो पोस्ते की खेती की गंभीरता को देखते हुए कमतर कार्रवाई होती है।

19 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर लगी पोस्ते की फसल की गई नष्ट

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान के दौरान कुल 19,086 एकड़ में लगी फसल को नष्ट किया गया है, जो पिछले कुछ वर्षों से चार गुणा अधिक है। सबसे अधिक खूंटी में 10,520 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल को नष्ट किया गया है। दूसरे स्थान पर रांची जिला है, जहां 4624 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की गई है। सबसे कम पलामू में 396 एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया गया है। बताया गया कि कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल को नष्ट करना बाकी है, जहां स्पेशल ड्राइव चलाकर कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि पोस्ते की खेती से झारखंड के कुल आठ जिले चतरा, खूंटी, लातेहार, रांची, पलामू,चाईबासा, सरायकेला, और हजारीबाग प्रभावित हैं।

जन जागरूकता पर दिया बल

इस दौरान मुख्य सचिव ने एक बार फिर पोस्ते की खेती के खिलाफ जनजागरूकता पर बल दिया। उन्होंने पोस्ते की खेती को हतोत्साहित करने के लिए लोगों को फसल के अन्य विकल्पों से जोड़ने को जरूरी बताया। कहा, कुछ जगहों पर वैकल्पिक खेती से जोड़े गये लोगों द्वारा उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ते की खेती का भौतिक सत्यापन के साथ सेटेलाइट की सहायता से भी प्रभावित क्षेत्र को चिह्नित करने का निर्देश दिया।

प्रेग्नेंसी की झूठी बात सच करने की फिराक में चुराई थी बच्ची

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के सदर अस्पताल ने चोरी हुई महज तीन रोज की नवजात बच्ची को पुलिस ने खोज निकाला है। वहीं, बच्ची चुराने के इल्जाम में एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला का नाम पुतुल उरांव है। वह नरकोपी थाना क्षेत्र की रहने वाली है। पुलिस ने बच्ची को सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पाहन टोली से रिकवर किया और सही सलामत उसकी मां के हवाले कर दिया। बच्ची को चुराने के बाद संदेही महिला ने उसे पाहन टोली में एक किराये के मकान में छुपाकर रखा था। इस बात का खुलासा आज डीआईजी सह रांची पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा ने किया।
पुलिस कप्तान चंदन सिन्हा ने मीडिया को बताया कि बीते 17 फरवरी को बच्ची के सदर अस्पताल से चोरी हो गयी थी। मामले की शिकायत लोअर बाजार थाना में दर्ज कराई गयी। सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व और सिटी डीएसपी वेंकटेश्वर रमण एवं तेज तर्रार माने जाने वाले पुलिस इंस्पेक्टर लोअर बाजार थानेदार दयानंद कुमार की देखरेख में टीम गठित कर आगे का टास्क सौंपा गया। गठित टीम ने टेक्निकल सेल की मदद ली, स्पॉट के आसपास लगे और अलग-अलग रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। फुटेज में एक महिला पर थानेदार दयानंद को संदेह हुआ। उक्त महिला और शख्स को बच्ची की मौसी के साथ अलग-अलग सड़कों से गुजरते देखा गया। इस दरम्यान बच्ची अपनी मौसी के गोद में थी। इल्जाम है कि उक्त महिला एवं शख्स ने मौसी को बहला-फुसलाकर पूजा-पाठ में उलझाया और महिला बच्ची को लेकर फरार हो गयी। गठित टीम ने बेड़ो और नरकोपी इलाके को छान मारा पर बच्ची नहीं मिली। मिले एक क्लू पर टीम ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पाहन टोली में रेड मारी और बच्ची को रिकवर कर लिया। वहीं, महिला को अरेस्ट कर लिया।
गिरफ्तार महिला करीब 22 साल की पुतुल उरांव ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस को दिये अपने बयान में उसने बताया कि उसकी गोद सूनी है। वह निःसंतान है। जमाने के ताने से तंग होकर उसने अपने प्रेग्नेंट होने की झूठी अफवाह पूरे गांव में फैलाई और खुद रांची में एक किराये के मकान में हने लगी। अब जब प्रेगनेंसी का वक्त पूरा हो गया और मां बनने का समय आ गया, तो वह बच्चा कहां से लाती। इस वास्ते उसने नवजात बच्ची को चुराने का गुनाह कर डाला।

सहारा ग्रुप से संबंधित दर्ज कांडों की डीजीपी ने की समीक्षा

बिभा संवाददाता

रांची : सहारा ग्रुप से संबंधित दर्ज कांडो का डीजीपी अनुरागगुप्ता ने समीक्षा किया है. शुक्रवार को डीजीपी ने झारखंड पुलिस मुख्यालय में एडीजी सुमन गुप्ता, आईजी असीम विक्रांत मिंज समेत अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में अपराध अनुसंधान विभाग, झारखण्ड द्वारा सहारा ग्रुप से संबंधित कांडों का किये जा रहे अनुसंधान के मद्देनजर व्यापक रूप से समीक्षा बैठक की.
समीक्षा के क्रम में डीजीपी द्वारा सहारा ग्रुप से संबंधित लंबित कांडों में त्वरित गति से अनुसंधान करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने का सार्थक प्रयास करने, अनुसंधान के क्रम में अनुसंधानकर्ता को आधुनिक तकनीक और डेटा विश्लेषण उपकरणों का प्रयोग करने, काण्डों के पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्य का गहराई से विश्लेषण कर दोषियों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी के समापन समारोह में पद्मश्री अशोक भगत व डा. एन.बी. चौधरी, निदेशक हुए शामिल

वैज्ञानिकों एवं कृषकों के सामूहिक प्रयास, आपसी समन्वय एवं अनुभव साझाकरण आवश्यकः डॉ एनबी चौधरी

बिभा संवाददता

रांची : आईसीएआर-निसा-नामकुम रांची द्वारा किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी 2025 के समापन समारोह का आयोजन किया गया मुख्य-अतिथि के रूप में पद्मश्री अशोक भगत ने दीप प्रज्ज्वलन कर समापन समारोह को गरिमा प्रदान किया. इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में डा .एन.बी. चौधरी सीएसबी सीटीआरटीआई रांची एवं डा अमित पांडेय निदेशक आईसीएफआरई वन उत्पादकता संस्थान रांची ने सहभागिता किया। डा एन.बी. चौधरी, निदेशक, सीएसबी सीटीआरटीआई रांची ने वैज्ञानिकों एवं कृषकों के सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इन दोनों का आपसी समन्वय, चर्चा एवं तकनीकी जानकारी, अनुभव साझाकरण आवश्यक है. इस अवसर पर सस्थान द्वारा तसर रेशम उद्दोग की गतिविधियों पर अक प्रदर्शनी भी लगाई गयी जिसके बारे में तसर कृषकों को जानकारी प्रदान किया गया. ।कार्यक्रम के मुख्य सरक्षक एवं आयोजन श्री अभिजित कर, निदेशक, आईसीएआर-निसा-नामकुम रांची ने तसर कृषि मेला के कार्यक्रम की महत्ता एवं संस्थान के योगदान पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संसथानों एवं स्टाल को पुरस्कृत किया गया.

सरला बिरला में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय में युवाओं में भावनात्मक और व्यावहारिक मुद्दोंॅ पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और उनके मनोवैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने के लिए था। इस अवसर पर प्रसिद्ध क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. भूमिका सच्चर मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुई। अपने संबोधन में डॉ. भूमिका सच्चर ने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष तनाव, अवसाद, सोशल मीडिया के प्रभाव और युवाओं की मानसिक चुनौतियों पर चर्चा की और उनके समाधान बताए। इसके बाद छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने इंटरएक्टिव सत्र में भाग लिया, जहां उन्होंने डॉ. सच्चर से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई सवाल पूछे। एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो.सी.जगनाथन की गरिमामयी उपस्थिति में विशेषज्ञ वार्ता कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. वी सामंता , डॉ. आलोक कुमार, डॉ आर. के. सिंह, अंजली मिश्रा एवं विवि के अन्यान्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। विधि विभाग की प्रभारी कोमल गुप्ता ने स्वागत एवं राजीव रंजन ने धन्यवाद भाषण दिया।
विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

सीएमपीडीआई एवं सीआईपीईटी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

बिभा संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई के निगमित सामाजिक दायित्व के तहत सीआईपीईटी के माध्यम से झारखंड के 80 वंचित/बेरोजगार/अर्द्ध-बेरोजगार युवकों को मशीन ऑपरेटर (छह माह का पाठ्यक्रम) का कौशल विकास प्रशिक्षण देने के लिए सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) एवं सेन्ट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया गया। सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक आरके महापात्रा तथा सीआईपीईटीःसीएसटीएस के संयुक्त निदेशक/प्रमुख प्रवीण बी बछव के बीच इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई की ओर से सीएसआर टीम तथा सीआईपीईटी की ओर से अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस समझौता ज्ञापन के तहत सीआईपीईटी, हेहल में झारखंड के 40 लाभुकों को मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग (एमओ-पीपी) तथा 40 लाभुकों को मशीन ऑपरेटर-इंजेक्शन मोल्डिंग (एमओ-आईएम) टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। नेशनल स्कील क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रम छह महीने की अवधि का होगा जिसमें भोजन और आवास भी शामिल होगा। उक्त कोर्स नेशनल स्कील क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से जुड़ा है तथा नेशनल स्कील्स क्वालिफिकेशन कमिटी (एनएसक्यूसी)-नेशनल स्कील डेवलपमेंट एजेंसी (एनएसडीए), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार से स्वीकृत है। सीएमपीडीआई ने इस परियोजना के निमित्त सीएसआर के तहत 68 लाख रुपए का निधि स्वीकृत किया है। कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं के कौशल को उन्नत करने और औद्योगिक अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है जिसके परिणामस्वरूप प्लास्टिक इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरियां सुरक्षित होती हैं।

राहे प्रखंड में 24 घंटा स्वास्थ्य का सभी सुविधा उपलब्ध कराया जाय : देवेंद्र

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड गठन हुए 25 साल बाद भी लगभग 65000 जनसंख्या वाला राहे प्रखंड को एक सुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का नसीब नहीं हुआ है जिससे क्षेत्र के गरीब किसान मजदूर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मामला को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो रांची उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है।
ज्ञापन के माध्यम से देवेंद्र नाथ महतो रांची उपायुक्त को जानकारी दिया कि वर्तमान समय का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पूरी तरह जर्जर स्थिति में है । बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु नए स्वास्थ्य भवन निर्माण के लिए झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड टेंडर फाइनल करके संवेदक को कार्य भी आवंटित कर चुका है। लेकिन विभाग के उदासीन रवैया के वजह से विगत 6 महीनों से जमीन उपलब्धता के अभाव से भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है।
देवेन्द्र नाथ महतो ने जानकारी देते डीसी महोदय को यह भी बताया कि आपके कार्यालय के पत्र संख्या 3474 दिनांक 19/10/2024 के माध्यम यह कहते हुए जमीन आवंटन करने से मना कर दिया था कि स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण झारखंड सरकार द्वारा अधियाचना अपेक्षित है। इसीलिए राहे प्रखण्ड के गरीब किसान मजदूर वर्ग के हित में तत्काल जमीन उपलब्ध कराया जाय। ताकि राहे प्रखण्ड के ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। मौके देवेंद्र नाथ महतो ने यह भी जानकारी दिया कि उपायुक्त महोदय मामला को संज्ञान में लेते हुए तत्काल राहे सीओ को कॉल करके एक सप्ताह के अंदर जमीन उपलब्ध कराने का दिया आदेश।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन 'नन्हे फरिस्ते' के तहत बोकारो आरपीएफ ने नाबालिक लड़के का किया रेस्क्यू

बोकारो(बिभा): बोकारो रेलवे स्टेशन प्लेट फॉर्म संख्या एक पर रात्रि पाली ड्यूटी के वक़्त एसआई अरुणा उरांव, स्टेशन पेट्रोलिंग स्टाफ और मेरी सहेली टीम एलसी मनीषा कुमारी और एलसी रुनू मंडल ने करीब रात के 11:45 मे एक नाबालिक लड़के जिसकी उम्र लगभग 17 वर्ष है चाइल्ड हेल्प डेस्क के पास प्लेट फॉर्म नंबर 1 पर अकेले संकट की स्थिति में बैठा था। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अंकित, उम्र 17 वर्ष गांव-मिजार्पुर, पोस्ट-दिनारा, पी.एस.-दिनारा, जिला-रोहतास, (बिहार) का रहने वाला बताया । और कहा कि वह अपने घर से बिना बताए भाग गया और उसी क्रम में वह बोकारो रेलवे स्टेशन पहुंच गया । जांच करने के बाद ना ही उसके पास यात्रा करने का कोई अधिकृत यात्रा टिकट मिला। बोकारो आरपीएफ द्वारा उक्त बचाए गए नाबालिग लड़के को उसकी सुरक्षित अभिरक्षा और आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के चाइल्ड हेल्प डेस्क को सौंप दिया गया।

कोटपाः चास थाना क्षेत्र में चलाया गया छापामारी अभियान

बोकारो(बिभा) : डा0 अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के निर्देशन एवं चास थाना प्रभारी खुर्शीद आलम के सहयोग से तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा.2003) की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत विशेष जांच अभियान के तहत जिला छापामारी दल के सदस्य मो0 असलम के द्वारा चास थाना क्षेत्र के धर्मशाला मोड, महावीर चौक, जोधाडीह रोड, आई0टी0आई0 मोड एवं चास चेकपोस्ट के कुल 93 दुकानों की जांच की गई जिसमें 16 दुकानों/व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुये पाया गया जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 2750 रुपए की वसूली की गई।
सिविल सर्जन बोकारो डा0 अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि कोटपा के विभिन्न धाराओं के अनुपालन हेतु लगातार नियमित रूप से अभियान जारी रहेगा। इससे सम्बन्धित अर्थदण्ड की रसीद सभी थाना स्तर पर उपलब्ध कराया जा चुका है। मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बोकारो द्वारा बताया गया कि छापामारी के दौरान दुकानों पर लगे सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पाद का विज्ञापन वाले पोस्टर को हटाया गया। और सभी दुकानों में कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन कराया गया जिसके तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध है का पोस्टर दुकान के सामने लगवाया गया। इस अवसर पर चास थाना से छापामारी दल व स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम उपस्थित थे।

चंदाहा में आठ दिवसीय श्री श्री 108 राधाकृष्ण तृतीय महायज्ञ महोत्सव शुरू, श्रदालुओं की उमड़ी भीड़

बोकारो(बिभा) : चास प्रखण्ड पंचायत चंदाहा के चंदाहा गाँव मे श्री श्री राधाकृष्ण हरिमंदिर प्रागंण में आठ दिवसीय श्री श्री 108 राधाकृष्ण तृतीय महायज्ञ महोत्सव के तीसरे दिन गुरु वार को श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रदालुओं ने पुजा अर्चना कर यज्ञ मंडप की परिक्रमा किया। पंडित नित्य पुजारी बबलु राय यज्ञ आचार्य जगन्नाथ ओझा पंडित मिहिर चंद्र ओझा सवार्नंद तिवारी बनारस ,निमाई शंकर ओझा, मुख्य व्रती यजमान शंभु मोदक, सजना देवी ने श्रदालुओं को संकल्पित कराकर पुजा अर्चना कराया। यज्ञ समिति ने महाप्रसाद का वितरण किया। प्रतिदिन भंडारा का आयोजन किया गया है। चंदाहा, सियालजोरी, बाबु ग्राम, बुढिबिनोर, बाटबिनोर,छाताटांड व आसपास के दर्जनों गांव श्रदालुओं यज्ञ स्थल पर पहुँच रहे हैं। यज्ञ समिति द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। यज्ञ समिति के अध्यक्ष गणेश बाउरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रतिदिन भागवत कथा, रामायण प्रवचन आचार्य संदीप शास्त्री, फुल कुमारी जी द्वारा कथावाचन हो रही है।। 22 फरवरी को हेमंत दुबे द्वारा कथा वचन व भक्ति जागरण किया जायेगा। 23 फरवरी को तृप्ति कुमारी व धिरज तिवारी द्वारा भक्ति जागरण होगी। 24 व 25 फरवरी को मोनिका दास वैष्णव द्वारा श्री श्री राधा कृष्ण पाला हरिनाम संर्कीतन की प्रस्तुत किया जायेगा। तथा कलश विसर्जन व मनमोहक आतिशबाजी के साथ समापन होगा। आयोजन को लेकर यज्ञ समिति व श्री श्री रामकृष्ण कमिटी के पदाधिकारी व सदस्य के आलावे समस्त ग्रामीण जुटे हुए हैं।

रेड बुक्स डे पर संगोष्ठीः वरिष्ठ नेता बी डी प्रसाद ने किसान-मजदूर एकता पर जोर दिया

बोकारो(बिभा) : रेड बुक्स डे के अवसर पर सेक्टर 9 सीटू कार्यालय में एक संगोष्ठी आयोजित किया गया ।उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता बी डी प्रसाद ने कहा कि समाज में दो ही वर्ग है, एक शोषक वर्ग और दूसरा शोषित वर्ग ।आज शोषण करने का चरित्र बदल गया है। पूंजीवादी व्यवस्था में कारपोरेट घरानों का दबदबा कायम हो गया है। नतीजतन शोषित वर्ग की एक बहुत बड़ी आबादी को जीवन जीने लायक मजदरी भी नहीं मिल पाता है। इसलिए आज जरूरत है किसान मजदूर एकता कायम कर आंदोलन की गति को तेज करना ।इस अवसर पर मार्क्सवादी साहित्य का सामुहिक पाठ किया गया। आज की गोष्ठी को सचिव राज कुमार गोराई,आर बी सिन्हा,आर के पी वर्मा,एस एन प्रसाद , जनार्दन प्रसाद एस के राय ने भी संबोधित किया।

प्रश्नपत्र लीक मामले में कोडरमा से दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कोडरमा। झारखंड 10वीं बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक मामले पर झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से आदेश जारी होने के बाद जिला प्रशासन ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने मामले पर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक जांच टीम गठित की है। जांच टीम ने पेपर लीक मामले में 12 घंटे के अंदर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि पेपर लीक मामले पर पुलिस विभाग ने अपने साइबर सेल को विशेष निर्देश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी हर गतिविधियों निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मरकच्चो थाना में मामला दर्ज किया गया है, दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनमें प्रशांत कुमार साव और आशीष कुमार साव शामिल हैं। इधर कोषागार से पेपर लीक होने की बात को उपायुक्त ने सीधे तौर पर खारिज किया है।

कोचिंग संचालक प्रशांत कुमार साव गिरफ्तार

हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक कराने के मामले में पुलिस ने कोडरमा जिले के जामु निवासी स्कूल कोचिंग संचालक प्रशांत कुमार साव और आशीष कुमार साव को गिरफ्तार किया है। प्रशांत मरकच्चो प्रखंड के जामू में एक प्राइवेट स्कूल और कोचिंग सेंटर चलाता है। प्रशांत ने पुलिस को बताया कि उसे मरकच्चो निवासी प्रिंस राणा नामक छात्र ने प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया था। प्रिंस मूक-बधिर है, जो खुद इस बार परीक्षा में शामिल होने वाला था। प्रिंस अपने पिता इंद्रदेव विश्वकर्मा और मां आरती देवी के साथ इलाज के लिए बेंगलुरू गया है। बताया जा रहा है कि बेंगलुरू से वापस आने वाली ट्रेन छूट जाने की वजह से वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाया। पुलिस जब प्रिंस के घर पर दबिश दी तो वहां उसकी दादी और छोटा भाई गौतम मिला। प्रश्नपत्र एक व्हाट्सएप ग्रुप में मात्र 350 रुपए में बेचे गए थे। इस ग्रुप का एडमिन प्रिंस ही है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) बोर्ड एग्जामिनेशन से यह व्हाट्सएप ग्रुप हाल में बनाया गया था। इस ग्रुप से जुड़ने के लिए छात्रों को लिंक भेजे गए थे। इस ग्रुप में एक हजार से ज्यादा लोग जुड़े थे। ग्रुप से जुड़ने के बाद प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के बदले क्यूआर कोड से 350 रुपए मांगे गए थे। प्रश्नपत्र के पीडीएफ को अनलॉक करने के लिए पासवर्ड बनाया गया था। जिन लोगों ने रुपए का भुगतान किया, उन्हें पासवर्ड उपलब्ध कराया गया था।

महाराष्ट्र और देवघर से भी तार जुड़े होने के सबूत

पेपर लीक मामले में कई कोचिंग संचालक के भी तार जुड़े होने की बात सामने रही हैं। पूछताछ में महाराष्ट्र और देवघर, गिरिडीह से भी इसके तार जुड़े होने के सबूत मिल रहे हैं जहां टीम को भेजा गया है। सभी मामलों की जानकारी जैक द्वारा बनाई गई समिति को दे दी गई है। बता दें कि झारखंड में 18 फरवरी को हिंदी और 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा का आयोजन किया गया था। दोनों पेपर के प्रश्न सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। जैक के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से जब वायरल प्रश्न पत्रों का मिलान किया गया तो कई सवाल एक समान पाए गए। जैक ने उसके बाद हिंदी और विज्ञान की परीक्षा को रद्द कर दिया था।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने बाईक रैली निकाली, संताली भाषा को राजभाषा बनाने की मांग

संताली भाषा को प्रथम राजभाषा की मांग को लेकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा

बिभा संवाददाता

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान के तहत यूनेस्को द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के शुभ अवसर में झारखंड में संताली भाषा को प्रथम राजभाषा की मांग को लेकर जैना मोड़ स्थित तिलका मुर्मू चौक से नयामोड़,स्थित बिरसा मुंडा चौक होकर उपायुक्त कार्यालय तक संकल्प के साथ संताली प्रथम राजभाषा बाईक रैली प्रदर्शन? किया गया। जिसका नेतृत्व सेंगेल बोकारो जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने किया। इससे पहले सभी सेंगेल के नेतागण ने शहीद तिलका मुर्मू चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किया। वहां से बाईक रैली रवाना करते हुए? शहीद बिरसा मुंडा चौक पर भी उनके चित्र में भी माल्यार्पण कर उपायुक्त कार्यालय तक बाईक रैली किया। तत्पाश्चत सेंगेल के सात प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम उपायुक्त श्रीमती जाधव विजया नारायण राव के मार्फत ज्ञापन पत्र सौंपा।
अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस है। जिसे 21 फरवरी 1952 को बंगला भाषा के लिए आंदोलनरत विधार्थियों को ढाका विश्वविद्यालय,तब पूर्वी पाकिस्तान में पुलिस प्रशासन द्वारा गोलियों से भून दिया गया था और अनेक भाषा प्रेमी आंदोलनकारी विधार्थी शहीद हो गये थे। जो उर्दू की जगह बंगला भाषा की मान्यता के लिए संघर्षरत थे। उन्हीं की स्मृति में यूनस्को ने 1999 में यह प्रस्ताव पारित किया कि 21 फरवरी की तारीख को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रुप में मनाया जाए। तत्पाश्चत संयुक्त राष्ट्र ने इसको मान्यता प्रदान किया।
आदिवासी सेंगेल अभियान की मांग है कि सर्वाधिक बड़ी और राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त आदिवासी भाषा-संताली को अनुच्छेद-345 के तहत झारखंड की प्रथम राजभाषा का दर्जा दिया जाए तथा बाकि झारखंडी आदिवासी भाषाओं(हो,मुंडा,खड़िया और कुड़ुख) को समृद्ध,संवर्द्धनऔर संरक्षण किया जाए। दूसरी तरफ आदिवासी समाज को भी खुद अपनी भाषाओं को बचाने,बढाऩे और समृद्ध करने के सभी उपायों को सार्थक बनाना होगा। चूंकि,आदिवासी के लिए उनकी हासा(जमीन) और भाषा ही लाइफ लाईन (जीवन रेखा) है। जिसका नेतृत्व सेंगेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने किया था,आज भी निरंतर उन्हीं के नेतृत्व में सरना धर्म कोड और संताली राजभाषा की आंदोलन जारी है। तभी वीर शहीद सिदो मुर्मू और बिरसा मुंडा के सपनों को ₹आबुआ दिशोम आबुआ राज₹ की परिकल्पना स्थापित हो सकता है।
ज्ञापन पत्र सौंपने वाले सात प्रतिनिधि मंडल का नाम केन्द्रीय संयोजक हराधन मार्डी, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू,झारखंड प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा,जयराम सोरेन,सुगदा किस्कू,सेंगेल महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ललिता सोरेन आदि। बाईक रैली में बोकारो जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू,पेटरवार सेंगेल विडियो विजय मरांडी,कालीचरण किस्कू, संजय टुडू, राजेश मुर्मू,भुटेल टुडू, करमचद्र मुर्मू, उपेन्द्र हेम्बरम, विजय मार्डी, बुटान बेसरा, कृष्णा किस्कू,नमिता टुडू,सोनी मुर्मू, जगदीश हांसदा,जागेश्वर मुर्मू, विशेश्वर मुर्मू,हरीशचंद्र मुर्मू, लालचंद टुडू,मोहन सोरेन, हरीनारायण मुर्मू, सूरजमनी सोरेन, पद्मा सोरेन, संजय बास्के ,पानमती बास्के,आदि महिला पुरूष शामिल थे।

बाटबिनोर रामराजा मेला व हरिनाम संकीर्तन मे उमडी श्रदालुओं की भीड़

बोकारो : चंदनकियारी प्रखण्ड स्थित बाटबिनोर बुढा महादेव शिव मंदिर प्रागंण में श्रीश्री रामराजा मेला व 11 दिवसीय अखण्ड हरिनाम संकीर्तन के नोवें दिन गुरुवार को श्रदालुओं की भीड़ उमड पडी.। श्रदालुओं ने भगवान राम व देवी देवताओं की दर्शन कर पुजा अर्चना किया। आयोजक कमिटी ने श्रदालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया इस अवसर पर चंदनकियारी बाटबिनोर व कोलकाता के कीर्तन गायक मधुसूदन दास व नित्यानंद बंदोपाध्याय द्वारा श्रीश्री राधा कृष्ण लीला कीर्तन की प्रस्तुति कर श्रदालुओं को भाव विभोर कर दिया। मेला मे भीड को देखते हुए पुलिस प्रशासन का भी तैनाती है ।आयोजन को लेकर बाटबिनोर सोलह आना कमिटी व ग्रामीण जुटे हुए हैं।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने मनाया पिकनिक सह होली मिलन

बोकारो : सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो का पिकनिक सह होली मिलन सेक्टर वन सी में मनाया गया। सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई की प्रभारी अमिता झा व महासचिव उषा झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समूह की सदस्याओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। गेम, हौजी, गीत-नृत्य के बाद पूल लंच में विभिन्न तरह के स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरूआत महाकवि विद्यापति रचित भगवती वंदना जय जय भैरवि असुर भयाउनि...के समवेत गायन से हुई। सभी ने अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, बोकारो की प्रभारी अमिता झा, महासचिव उषा झा, कोषाध्यक्ष सुजाता झा, मीडिया प्रभारी संजीता भुवनेश, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी जयंती पाठक, रोजगार प्रभारी मुन्नी झा एवं कल्याणी मिश्रा, सदस्या शीला मिश्रा, किरण मिश्रा, राजकुमारी झा, डॉ मंजू झा, इंदिरा झा, नंदा झा, अल्का झा, आशा पाठक, प्रीता ठाकुर, मधु ठाकुर, पिंकी झा, रानी झा, नमिता झा, पूनम झा, पद्मा झा, रीमा, रंजना भगत, रूबी ठाकुर, किरण झा आदि उपस्थित थीं।

बाहरी भीतरी का हवा फैलाने वाले को कर्मचारी दे रहे मुंहतोड जबाबः बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा का राष्ट्रीय स्तर पर 19 जनबरी 25 से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान कार्यक्रम के तहत बोकारो जिला मे चल रहे कार्यक्रम मे हजारों-हजार आम नागरिक बड़े हर्षोल्लास के साथ झामुमो का सदस्य बन रहा जो पार्टी के लिए बड़े हीं खुशी की बात है ।उसी कड़ी मे झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे 21 जनबरी से बोकारो स्टील प्लांट मे कार्यरत इस्पातकर्मी और ठेकाकमीर्यों के हर बिभाग मे चलाए जा रहे सदस्यता अभियान का 17 वें दिन कोल्ड रोलिंग मिल के दिलीप केन्टीन मे चलाया गया जहां हर सेक्सन से कमीर्यों ने स्वेच्छापूर्वक सदस्यता ग्रहण कर फार्म मे पूरा डाटा भरते हुए हस्ताक्षर करता रहा ।बिपक्षीयों द्वारा फैलाये गये कि झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी बाहरी भीतरी का फिलिंग रखता है को पूरे प्लांट के मजदूरों ने उनका हवा निकालने का काम कर रहा है क्योंकि देश के सभी राज्यों से आकर काम कर रहे कर्मचारीयों मे झामुमो का सदस्यता लेने को एक होड सा दिख रहा है ।अपने संक्षिप्त सम्बोधन मे बि के चौधरी ने कहा कि झारखंड राज्य अलग हुए 24 बर्ष हो गया जिसमे 19 बर्ष भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही और उनके कार्यकाल मे बिकाश के जगह सिर्फ अपने उद्योगपतियों के द्वारा राज्य को लूटने खसोटने का काम किया लेकिन इन 6 बर्षों मे हेमन्त सोरेन जी के नेतृत्व मे राज्य का चहुंओर बिकाश दिखाई दे रहा है चाहे रोजगार सृजन होया सड़क पूल पुलीया या गरीब असहाय जरूरतमंद माताऐं बहनो के लिये चलाए जा रहे म ?ईया सम्मान योजना सहित लगभग 86 योजना जो जनता को समर्पित किये गये से लाखो जरूरत मन्दो को सहारा हो जिसके कारण हेमन्त सोरेन जी के कार्यक्रम के चलते जहां भी सदस्यता अभियान कार्यक्रम हो रहा है लोग बढ़चढ़कर सदस्यता ग्रहण कर रहा है ।आज के कार्यक्रम मे युनियन के संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, आई अहमद, राजेन्द्र प्रसाद, मानिक चन्द्र साह, देवेन्द्र गोराई, ओ पी चौहान, एन के सिंह, सहित दर्जनो बिभागीय युनियन नेताओ ने सदस्य बनाने मे अहम भूमिका निभाया ।यह कार्यक्रम और बचे हुए कुछ बिभागों मे चलाया जायगा जिसे सदस्यता अभियान के अन्तिम तारीख 28 फरबरी तक चलेगा ।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की बैठक में भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

विद्यापति स्मृति पर्व समारोह अप्रैल में, 12 मार्च को होगा फगुआ मिलन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो में मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में हुई। परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता तथा महासचिव नीरज चौधरी के संचालन में आयोजित इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य रूप से होली मिलन समारोह, परिषद के पंचांगयुक्त कैलेंडर तथा संस्था के प्रमुखतम वार्षिक उत्सव विद्यापति स्मृति पर्व समारोह के आयोजन को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 12 मार्च को संध्या 6 बजे से परिषद द्वारा संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया।
समारोह की सफलता के लिए अविनाश कुमार झा के निर्देशन में एक टीम भी गठित की गई, जिसमें मिहिर मोहन ठाकुर, विजय कुमार मिश्र 'अंजू', रोशन कुमार तरुण, विवेकानंद झा, सुदीप कुमार ठाकुर एवं प्रकाश कुमार झा शामिल किए गए।
तत्पश्चात परिषद के प्रमुखतम वार्षिक कार्यक्रम विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन आगामी अप्रैल माह में किए जाने पर सहमति बनी। इसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी। समारोह में विभिन्न स्थानीय एवं प्रसिद्ध आमंत्रित कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र होंगे।
बैठक में अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी व महासचिव नीरज चौधरी के अलावा मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार, केसी झा, विजय कुमार झा, दिलीप कुमार झा, मिहिर मोहन ठाकुर, मिहिर कुमार झा (राजू), प्रदीप कुमार, अरुण पाठक, प्रकाश झा, अविनाश कुमार झा, सुदीप कुमार ठाकुर, सुशील कुमार झा, गणेश झा, आनंद नारायण मिश्र, विवेकानंद झा, गोविंद कुमार झा, रोशन कुमार तरुण आदि उपस्थित रहे।

बैंक कर्मचारियों का विशाल प्रदर्शनः सरकार से बहाली और मांगों के समर्थन में आवाज उठाई

24-25 फरवरी को हड़ताल की चेतावनी दी

बिभा संवाददाता

बोकारो : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू), जिसमें बैंकों में कार्यरत सभी यूनियनों यथा एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीए, बीईएफआई एएबीओए, एएनाबीाईएफ आाई, एनबीओसी,एनओबीयू, एनओबीओ संगठन शामिल हैं, के बैनर तले आज चास- बोकारो के सभी बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय बैंक ऑफ इंडिया बोकारो स्टील सिटी शाखा सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आगामी 24 फरवरी एवं 25 फरवरी को घोषित दो दिवसीय अखिल भारतीय बैंक हड़ताल के आलोक में आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की कड़ी में पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से बैंक कर्मियों ने भारत सरकार से इंडियन बैंक एसोसिएशन (सभी बैंकों के सिर्ष प्रबंधन की सम्मिलित आधिकारिक संस्था) के माध्यम से यह मांग की बैंक में ग्राहक सेवा में निरंतर हो रहे ह्रास एवं ग्राहकों को हो रही अत्यधिक परेशानी से बचने के लिए अविलंब सभी बैंकों में सभी संवर्गों में समुचित बहाली की जाए। साथ ही इंडियन बैंक एसोसिएशन से यह भी मांग की गई की यूएफबीयू के साथ हुई वाताओं में लंबित मुद्दों को अभिलंब सुलझाने की जो बात कही गई थी उन सभी लंबित मुद्दों का सकारात्मक पहल किया जाए। 5 दिवसीय बैंकिंग को भी अविलंब बैंकों में लागू किया जाए। इन्हीं मांगों से संदर्भित नारों के साथ बैंक कर्मियों ने अपनी आवाज को बुलंद किया। प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की उपस्थिति भी सराहनीय रही।
इस अवसर पर यूएफयू के बोकारो जिला उपसंयोजक राघव कुमार सिंह ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए सरकार को यह चेताया कि यदि हमारे उपरोक्त मांगों पर जल्द से जल्द ध्यान नहीं दिया गया तथा साथ ही डीएफएस के द्वारा बैंकों में अनावश्य हस्तक्षेप को बंद नहीं किया गया एवं द्विपक्षीय समझौता का उल्लंघन करना बंद नहीं किया गया तो 24 एवं 25 मार्च 2025 को दो दिवसीय हड़ताल तो होगी ही। इसके बावजूद भी यदि सरकार नहीं चेतती है तो हम अपने बैंकों एवं अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संघर्ष को और भी तीव्रतर करेंगे एवं लक्ष्य प्राप्ति के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करेंगे।
आज के इस प्रदर्शन को संबोधित करने वाले वक्ताओं में मुख्य रूप से राघव कुमार सिंह, राजेश कुमार ओझा, विभाष झा, राजेश श्रीवास्तव, सुधीर कुमार, वरुण कुमार, मिथिलेश कुमार, राकेश मिश्रा, अवधेश प्रसाद, दिलीप कुमार, रजनीश कुमार, नीरज तिवारी, माणिक दास, अरुण कुमार, प्रशांत कुमार, विवेक ठाकुर आदि उपस्थित थे।

युवाओं के हक अधिकार के लिए कुछ भी करने को तैयार युवा लायंस फोर्स : देव शर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो : युवा लायंस फोर्स का सदस्यता अभियान के दौरान इलेक्ट्रोस्टील (वेदांता) फोरलेन पे स्थित मुँधनीय पंचायत के चिटाहीटाड पहुँचे फोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष सह युवा काँग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देव शर्मा , श्री शर्मा ने वहाँ के युवाओं को खेल सामग्री देते हुए कहा कि हमारे चास चंदनकियारी के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैं, कमी हैं तो सिर्फ. इन्हें तराशने की जो हम सभी नेता , समाजसेवी तथा वेदांता प्रबंधन का भी काम हैं, आज कहीं ना कहीं हमारे हजारों युवा जो सिर्फ. सही मार्गदर्शन ना मिलने के कारण मजबूरन अपने हुनर को छोड़ अपने परिवार के भरण पोषण के लिए या तो कोई छोटी मोटी नौकरी या तो दूसरे राज्य में पलायन कर जाते हैं, काँग्रेस नेता ने कहा राज्य में काँग्रेस और झामुमो के गांव की सरकार हैं, हम उन तमाम युवाओं से अनुरोध करते हैं की आप जिस छेत्र अच्छा कर सकते हैं , उसी क्षेत्र में लगातार मेहनत करते रहे , हम आपके साथ हैं आप युवाओं के लिए मुझे जो करना होगा हम करने में पीछे नहीं हटेंगे , हम आपको विश्वास दिलाते हैं की मैं कल भी आपका भाई और दोस्त बन कर अपलोगों के साथ था और आगे भी रहूँगा। वहीं काँग्रेस नेता देव ने वेदांता प्रबंधन को भी तलगड़िया रोड और अपने अगल बगल के गांवों के युवाओ को ज्यादा से ज्यादा नियोजन और ध्यान देने की माँग की जिससे लोगो का प्रबंधन के प्रति सकारात्मक रवैया बना रहेगा , मौके पर दर्जनों युवाओ ने युवा लायंस फोर्स का दामन थामा ।

संक्षिप्त खबरें

मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

हजारीबाग(बिभा): भाजपा युवा मोर्चा हजारीबाग जिला अध्यक्ष राज करण पाण्डेय के नेतृत्व में आज दिनांक 21 फरवरी को जिले के झंडा चौक पर एक भव्य विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य राज्य में लगातार बढ़ते भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था की गिरती हालत के खिलाफ आवाज उठाना था, खासकर मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक को लेकर ।इस दौरान युवा मोर्चा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। वे मैट्रिक परीक्षा में पेपर लीक मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो।भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राज करण पाण्डेय ने कहा कि राज्य सरकार ने युवा और छात्रों के हितों को नजरअंदाज किया है। पेपर लीक जैसी घटनाएं राज्य में शिक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर करती हैं। उन्होंने राज्य सरकार से जल्द से जल्द इस मामले पर कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसे कृत्य फिर से न हो सकें।इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता और छात्र शामिल हुए, जिन्होंने भ्रष्टाचार और शासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थितः- भाजपा जिला उपाध्यक्ष दामोदर सिंह रामगढ़ के भाजपा नेता रंजीत पांडे बिनोद ओझा राकेश रॉय शिवपाल यादव रंजन चौधरी दीपक मेहता शैलेश चंद्रवंशी अनिल साव आशीष वर्मा आशुतोष तिवारी अशेस सिन्हा मुकेश सोनी कुलदीप कृष्णा राजेश चंद्रवंशी तरुण कुमार बालकिशुन कुमार विजय वर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण अभियान चलाया गया

हजारीबाग(बिभा): नगर निगम क्षेत्र में शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया ! आपको बताते चले कि जिसमें आनंदा चौक, कांग्रेस ऑफिस चौक, पैगोडा चौक, झंडा चौक, पंचमंदिर चौक, ग्वालटोली चौक, मेन रोड, और सुजात चौक जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया। इस अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण से मुक्त कराना और यातायात व्यवस्था में सुधार लाना था।अभियान के दौरान, नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण, फुटपाथों पर कब्जा, और सड़क किनारे लगाए गए अस्थायी ढांचों को हटाया। इस प्रक्रिया में, स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सहयोग प्रदान किया, ताकि अभियान सुचारू रूप से संपन्न हो सके।नगर निगम ने व्यापारियों और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें और शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण में सहयोग करें। इसके साथ ही, भविष्य में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

जैक परीक्षा प्रश्न पत्र लीक होना दुर्भाग्यपूर्ण :चंद्र प्रकाश जैन

हजारीबाग(बिभा): वरिष्ठ समाजसेवी चंद्र प्रकाश जैन ने मैट्रिक परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए विभाग से जांच एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि पहले जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक हुए और अब मैट्रिक परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना झारखंड की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। यह उन मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ अन्याय है जो पूरे वर्ष मेहनत कर परीक्षा की तैयारी करते हैं। मांग की कि प्रश्नपत्र लीक करने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए।राज्य के लिए इस तरह की घटना चिंताजनक है. सभी परीक्षाएं रद्द करना समस्या का समाधान नहीं है. इस घटना की निष्पक्ष व विस्तृत जांच होनी चाहिए. पेपर लीक होने से विद्यार्थी व अभिभावक भी तनाव में रहते हैं. झारखंड में अधिकतर परीक्षा में धांधली हो रही है जो कि यहां के छात्रों के लिए यहां के युवा साथियों के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और यह चिंता का विषय है एक विद्यार्थी वर्षों मेहनत करता है उसे इस सुनहरे पल का बेसब्री से इंतजार होता है !

उप विकास आयुक्त ने ग्राम सेवकों, जूनियर इंजीनियर, सहायक इंजीनियर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को दिया गया नियुक्ति पत्र

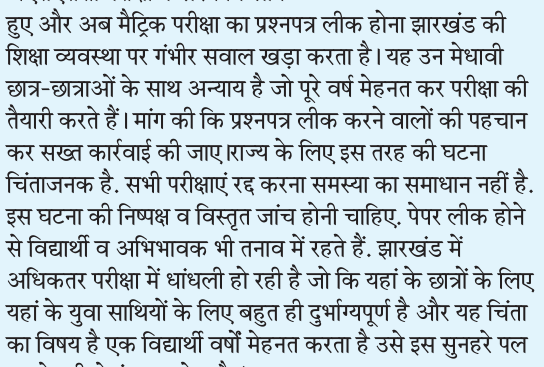

हजारीबाग(बिभा) : उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद के द्वारा उनके कार्यालय कक्ष में 23 ग्राम रोजगार सेवको,5 जूनियर इंजीनियर,एक सहायक इंजीनियर एवं एक कंप्यूटर आपरेटर को नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

खेद व्यक्त : एमपी–एमएलए कोर्ट ने बंधु तिर्की को किया बरी शीर्षक से 21 फरवरी 2025 को बिहान भारत में प्रकाशित खबर में भूल वश गलत वाक्य छप गया है, इसके लिए हमें खेद है। पाठक इसे अन्यथा न लें ।

बरही और बरसोत महायज्ञ में शामिल हुए सांसद विधायक

धार्मिक आयोजनों से समाज में बढ़ती है सकारात्मक ऊर्जाः मनीष जायसवाल

संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का माध्यम हैं महायज्ञ : मनोज यादव

बिभा संवाददाता

हजारीबागः बरहीडीह के प्राचीन छठ घाट स्थित सूर्य मंदिर में महायज्ञ महोत्सव और बरसोत में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 शिव परिवार एवं हनुमत प्राण प्रतिष्ठा सह श्री राम चरित मानस परायण महायज्ञ में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बरही विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए। इस दौरान दोनों पूजा कमिटियों के पदाधिकारियों ने सांसद और विधायक को पट्टा पहनाकर सम्मानित किया। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि महायज्ञ जैसे आयोजन धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। क्षेत्रवासियों की आस्था को नमन करते हुए उन्होंने भगवान सूर्य और भगवान शिव से सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएँ हमारी धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। महायज्ञ और धार्मिक अनुष्ठान न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज को एकजुट करने का भी कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजकों और श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए क्षेत्र के विकास और खुशहाली की कामना की। मौके पर जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, पूजा समिति अध्यक्ष राजसिंह चौहान, सचिव राजवंशी सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश ठाकुर, मुखिया समशेर आलम, मोतीलाल चौधरी, राजकुमार केशरी, युवा नेता आकाश जायसवाल, कृपाल राणा, सोनू केशरवानी समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे।

सदर प्रखण्ड के बैहरी पंचायत भवन में डेंटल कॉलेज एवं मिशन हॉस्पिटल द्वारा लगाया गया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य हर जरूरतमंद को उत्तम स्वास्थ्य का लाभ पहुंचाना है : डॉ प्रवीण श्रीनिवास

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल एवं संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में दिन शुक्रवार को सदर प्रखण्ड के बैहरी पंचायत भवन पंचायत भवन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें जरूरमंद ग्रामीणों को चिकित्सकों द्वारा दांत एवं स्वास्थ्य का जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर में 52 जरूरतमंद का जांच किया गया। उपचार के साथ चिकित्सकों के द्वारा उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श दिया गया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बी पी ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर, दांत एंव आरबीएस सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधित जांच मुफ्त हुआ। मुफ्त दवाई भी उपलब्ध कराया गया। मुफ्त मेडिकल कैंप से इलाज करवाकर मरीजों ने संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल एवं हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल का धन्यवाद व साधुवाद ज्ञापित किया। शिविर के आयोजन में स्थानीय लोगों ने सरहानीय योगदान दिया। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष एंव डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य हर जरूरतमंद को उत्तम स्वास्थ्य का लाभ पहुंचाना है। शिविर में बुनियादी उपचार बिलकुल मुफ्त है। वर्तमान दौर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मरीजों की परेशानीयों को कम करने के उद्देश्य से हर जगह निशुल्क शिविर लगाया जा रहा है। इस विशेष पहल से कई जरूरतमंदों को अनुभवी चिकित्सकों से उपचार कर उत्तम स्वास्थ्य का लाभ मिल रहा है। अस्पताल एवं कॉलेज परिवार की आगे भी कोशिश रहेगा की यह मुफ्त शिविर जगह- जगह पर जारी रहे और जरूरतमंद शिविर से लाभान्वित हो। मौके पर बैहरी मुखिया पवन यादव उर्फ पप्पू ने कहा कि वाकई मे स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिशन होस्पिटल एवं डेंटल कॉलेज काफी अच्छा पहल है। इससे गरीब परिवार एवं माध्यमिक परिवारों को काफी राहत मिलेगा। उन्होंने मिशन होस्पिटल एवं डेंटल कॉलेज परिवार का सरहाना किया। मौके पर डॉ कृष्णा राज, डॉ सौम्या राज एवं पीआरओ राजकुमार दास सहित कई स्वास्थ्य कर्मियों ने अपना सरहानीय योगदान दिया।

बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत निगम ने चलाया राज्य स्तरीय छापामारी अभियान

बिभा संवाददाता

हजारीबागः झारखण्ड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड विद्युत ऊर्जा चोरी के रोकथाम हेतु सतत प्रयासरत है। इसी क्रम में विद्युत ऊर्जा चोरी करने वालों के विरूद्ध 18 एवं 19 फरवरी को पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया गया। झारखण्ड उर्जा विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अविनाश कुमार के अनुमोदन उपरान्त मुख्यालय के एपीटी द्वारा राज्य स्तरीय छापामारी अभियान का संचालन किया गया। इस सघन छापामारी अभियान में मुख्यालय के द्वारा गठित 117 टीमों में सभी क्षेत्रीय स्तर तक के पदाधिकारी शामिल थे। इस राज्य स्तरीय छापामारी अभियान में 6798 परिसरों में विद्युत ऊर्जा की चोरी से सम्बन्धित मामलों में छापामारी की गई। जिसमें 1117 परिसरों में विद्युत ऊर्जा की चोरी के मामले पाये गये। तत्पश्चात सम्बन्धित व्यक्तियों पर सम्बन्धित थानों में भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 के धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज कराया गया, जिसमें इन मदों की कुल सन्निहित राशि 174.82 लाख है। विद्युत ऊर्जा की चोरी के रोकथाम के लिए छापामारी के क्रम में पुलिस बल का सहयोग लिया गया। इस अभियान के दौरान हजारीबाग विद्युत अंचल क्षेत्र में कुल 327 जगहों पर रेड किया गया और 88 एफआईआर दर्ज कराए गए। इन मामलों में 17 लाख 59 हजार रुपए सन्निहित है। वहीं सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील किया गया कि विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे व्यक्तियों की सूचना सम्पूर्ण पता के साथ वाट्स अपध्मैसेज के माध्यम से महाप्रबंधक (ए.पी.टी.) के मोबाईल नंबर 94311-35515 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम एवं मोबाईल नंबर गुप्त रखा जाएगा।

विभावि के हिंदी विभाग में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

मातृभाषा में हमारी संस्कृति समाहित रहती हैः डॉ कृष्ण

बिभा संवाददाता

हजारीबागः अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को एक समारोह सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार गुप्ता ने इसकी अध्यक्षता की।इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ गुप्ता ने बताया कि हमारी पूरी संस्कृति हमारी मातृभाषा में समाहित होती है। हम अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही अपनी संस्कृति से जुड़े रहते हैं । उन्होंने आगे बताया कि किस प्रकार से भारत के अलग-अलग राज्यों में एवं विश्व के अलग-अलग राष्ट्र में लोग अपनी मातृभाषा के महत्व को समझने लगे हैं और इसके प्रति जागरूक हुए हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिय विभागीय प्राध्यापक डॉ केदार सिंह ने लुप्त हो रहे हैं भाषाओं की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने ऐसी भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता की बात कही। उन्होंने बताया की भाषा के माध्यम से ही पारंपरिक ज्ञान एवं संस्कृति पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती चली जाती है।डॉ सुबोध कुमार सिंह शिवगीत ने मातृभाषा के रूप में भारतीय संस्कृति के संरक्षण के विषय पर प्रकाश डाला। जब तक भाषा बची रहेगी तब तक संस्कृति भी सुरक्षित रहेगी। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक सह हिंदी के प्राध्यापक डॉ सुनील कुमार दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय विकास में मातृभाषा की क्या उपयोगिता है। विभागीय प्राध्यापक डॉ राजू राम ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को मातृभाषा के अधिक से अधिक उपयोग की प्रेरणा दी।मंच संचालन शोधार्थी अंजली कुमारी तथा धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी प्रियंका कुमारी ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विद्यार्थी अच्छी संख्या में उपस्थित हुए।

आयकर विभाग हजारीबाग में रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान शिविर में 17 यूनिट रक्त संग्रह किया गया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : समाज सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए आयकर विभाग, हजारीबाग ने शुक्रवार को आयकर भवन, रविंद्र पथ में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण पहल में आरोग्यम अस्पताल ब्लड बैंक का विशेष सहयोग रहा। शिविर में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुल 17 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन तुषार धवल सिंह, प्रधान आयकर आयुक्त - एक, हजारीबाग द्वारा किया गया। उनके साथ आयकर अधिकारी (मुख्य) शशि भूषण प्रसाद एवं अन्य अधिकारियों ने भी रक्तदान कर इस महान कार्य में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर तुषार धवल सिंह ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा की नियमित रक्तदान न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने में मदद करता है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है। रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शशि भूषण प्रसाद, आयकर अधिकारी एवं लेखक-निर्देशक द्वारा प्रेरणादायक नुक्कड़ नाटक रक्तदान से मानवता का मंचन किया गया। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से शशि भूषण प्रसाद,आनंद कुमार चौधरी, दीपक कुमार, चंदन कुमार गुप्ता, अमित कुमार, लवकेश कुमार सिंह, आदित्य कुमार, प्रवेश कुमार, राजेश कुमार पांडे, पवन कुमार वर्मा, सुशांत किस्पोट्टा, विशाल कुमार गुप्ता, शिवम कुमार, मनीष कुमार सिंह, रिक्की कुमार, अनमोल कुमार चौधरी एवं रवि कुमार शामिल रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में आरोग्यम ब्लड बैंक के निम्नलिखित सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

इस सफल रक्तदान शिविर ने समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद मरीजों की सहायता करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आरोग्यम अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा ने रक्तदान शिविर की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की रक्तदान केवल एक दान नहीं, बल्कि यह जीवन बचाने का सबसे पवित्र कार्य है। हमें गर्व है कि आरोग्यम अस्पताल ब्लड बैंक इस नेक पहल का हिस्सा बना और आयकर विभाग, हजारीबाग के साथ मिलकर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान अभियान को सफलतापूर्वक संचालित कर सका।

बजट - 2025 में आयकर सीमा बढ़ाने से सभी को फायदा मिलेगी : सीए डॉ गिरीश आहूजा

बिभा संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की मेंबर्स इन प्रैक्टिस कमिटी और रांची शाखा के द्वारा प्रत्यक्ष कर और जी एस टी विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार में यूनियन बजट 2025 में प्रत्यक्ष करों में हुए बदलावों पर जानकारी देते हुए देश के प्रख्यात प्रतयक्ष कर विशेषज्ञ और लेखक सीए (डॉ) गिरीश आहूजा, नई दिल्ली ने बताया की इस बजट के माध्यम से केंद्र सरकार मध्यम वर्ग के साथ साथ समाज के सभी वर्गों को प्रत्यक्ष कर में छूट के द्वारा लाभ पहुँचाया है। उन्होंने बताया कि नई कर व्यवस्था के तहत, 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा और वेतनभोगी करदाताओं को 12.75 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा, क्योंकि 75,000 रुपये की मानक कटौती लागू होगी। नई कर संरचना के तहत, सरकार को प्रत्यक्ष करों में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का राजस्व परित्याग होगा, जिससे करदाताओं को राहत मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आयकर कटौती सीमा को दोगुना करके 1 लाख रुपये किया गया है, जिससे उनकी कर देयता कम होगी। किराए पर टीडीएस की सीमा को 2.4 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया है, जिससे किराएदारों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों से मध्यम वर्ग और करदाताओं को वित्तीय राहत मिलेगी, जिससे उनकी आय और खपत में वृद्धि होगी।

दूसरे तकनिकी सत्र में जी एस टी विषय पर जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट विषय पर जानकारी देते हुए अमृतसर के विशेषज्ञ सीए आँचल कपूर ने बताई कि जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट एक अनुबंध होता है, जिसमें दो पक्ष, जैसे कि एक जमीन मालिक और एक डेवलपर, मिलकर एक परियोजना को विकसित करने का समझौता करते हैं। इस समझौते में जमीन का मालिक अपनी जमीन डेवलपर को विकास के लिए उपलब्ध कराता है, जबकि डेवलपर निर्माण कार्य करता है और प्रॉपर्टी के कुछ हिस्से के बदले उसे भुगतान प्राप्त करता है। उन्होंने बताई कि इस एग्रीमेंट के अधीन जमीं हस्तांतरण पर, जमीं मालिक के हिस्सेदारी या उपहार में प्राप्त सम्पति पर जी एस टी लागू नहीं होता है जबकि कंस्ट्रक्शन और निर्माण सेवायें, खऊअ के अधीन सम्पति के हस्तांतरण पर पर जी एस टी लागू होती है। उन्होंने बताई कि जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट के तहत, जमीन का स्थानांतरण जीएसटी से मुक्त रहता है, लेकिन निर्माण सेवाएँ और विकसित संपत्तियों का स्थानांतरण जीएसटी के दायरे में आ सकते हैं।

इस बार 12 दिनों तक चलेगा मेला, लाखों भक्त होंगे शामिल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग/सीकर : राजस्थान के जिला सीकर का छोटा सा कस्बा खाटूश्याम जहां विराजमान है खाटूश्याम जी की भव्य प्रतिमा !खाटू श्याम जी का वार्षिक फाल्गुन लक्खी मेला इस वर्ष 28 फरवरी से 11 मार्च 2025 तक आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन और मंदिर समिति ने मेले की अवधि को 12 दिनों तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। आपको बताते चले कि मेले के दौरान, दर्शन व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। इस बार, सरकारी प्रोटोकॉल वाले वीआईपी व्यक्तियों को छोड़कर, सभी के लिए वीआईपी दर्शन व्यवस्था पूर्णतः बंद रहेगी। श्रद्धालुओं की सुगम दर्शन के लिए क्यूआर कोड जारी किया जाएगा, जिसे स्कैन करके वे मंदिर परिसर तक आसानी से पहुंच सकेंगे। पार्किंग व्यवस्था के तहत, सीकर-रींगस रोड पर मंडा मोड़ के आसपास छोटे वाहनों के लिए बड़ी पार्किंग विकसित की जाएगी। यहां से श्रद्धालुओं को बसों द्वारा 52 बीघा पार्किंग क्षेत्र तक ले जाया जाएगा, जहां से उन्हें पैदल ही मंदिर तक जाना होगा। इसके अलावा, ई-रिक्शा चालकों के लिए अलग-अलग जोन बनाए जाएंगे और उन्हें पास जारी किए जाएंगे। मेले में सुरक्षा और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए, डीजे, कांटें वाले गुलाब के फूल, और कांच की इत्र की शीशियों पर प्रतिबंध रहेगा। पुलिस की टुकड़ियां पैदल गश्त करेंगी, और मेला क्षेत्र में धारा-144 लागू की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए, खाटूश्याम जी जाने वाले मार्गों को सुगम बनाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। मेले में देश विदेश से श्याम भक्त शामिल होंगे !अगर झारखंड की बात करे तो झारखंड से रांची, रामगढ़, हजारीबाग, धनबाद, जमशेदपुर, गिरिडीह, डाल्टनगंज समेत झारखंड के विभिन्न हिस्सों से श्याम भक्त शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता

पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोककल्याण योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होंगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गई हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार करने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी करने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

संपादकीय

कर्म क्षेत्र का प्रारंभ

अततः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संघ और भाजपा में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहीं शालीमार बाग से पहली बार विधायक बनी, वैश्य समुदाय से आतीं रेखा गुप्ता ने दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लीं। 10 साल पहले अरविंद केजरीवाल ने हो-हल्ले, भारी ताम-झाम और मोटे-तगड़े वादों के साथ जिन बदलावकारी राजनीति का सपना दिखाया था, वह आधिकारिक तौर पर वह फिलवक्त दिल्ली में समाप्त हो गया। अब देखना यह होगा कि सत्ता के मद में अनेकानेक अवांछित स्थितियों को पैदा करतीं रहने वाली आम आदमी पार्टी विपक्ष में कैसी भूमिका निभाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने गिरेबान में झांकेगी, अपनी गलतियों से सबक लेगी और अपने कार्यों और विचारों में तद्नुसार परिवर्तन करेगी। बहरहाल, अब वास्तविक चुनौती भाजपा सरकार के सामने है। दिल्ली में ही नहीं दिल्ली से लगते उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अब डबल इंजन की सरकार है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा की एक ही रट रही है कि दिल्ली के जो भी तात्कालिक संकट हैं, वे आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों, भ्रष्ट गतिविधियों और अनावश्यक तौर पर अन्य पर आक्षेप लगाने के कारण है। अब भाजपा की यह ढाल टूट गई है। वह सीधे-सीधे दिल्ली की संकटों की मार में है। सबसे पहले तो उसे अपने मुफ्त के वादे पूरे करने पड़ेंगे जो मोदी की गारंटी के तौर पर उसने किए थे। यानी महिलाओं के लिए 8 मार्च को ही उनके खाते में सम्मान राशि के साथ हर महीने ढाई हजार रोपये और गर्भवती महिलाओं के लिए 21000 रुपये मातृ सुरक्षा वंदना के तहत दिए जाएंगे। उसे तात्कालिक तौर पर बिजली, पानी, सड़क, सीवर , प्रदूषण और कूड़े.जैसी समस्याओं के वादानुसार ठोस हल निकालने पड़ेंगे। यमुना की सफाई वह चुनौती होगी जिस पर उसे तुरंत काम शुरू करना होगा। यह एक भगीरथ कार्य है जो समय भी लेगा, अकूत धन और इच्छाशक्ति भी। एक तरफ अपराधों पर लगाम लगाने की समस्या होगी तो दूसरी तरफ अभ्रष्ट प्रशासन देने की भी। कुल मिलाकर, ये वे समस्याएं हैं जिनके उन्मूलन की बात भाजपा ने की है। अब उसके लिए वाक क्षेत्र से कर्म क्षेत्र में उतरने का काल शुरू हो गया है। इस महाकार्य की सफलता पर केवल दिल्ली का ही नहीं भाजपा का भविष्य भी तय होगा। अन्यथा आप की पैनी तलवार भाजपा पर घातक प्रहार करने से नहीं चूकेगी।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थय भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

हम देश में आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 30 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ से होने वाली मौतों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। यह प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ल यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

महाकुंभ : आयोजन का श्रेय बनाम कुप्रबंधन की जिम्मेदारी

निर्मल रानी

भारतवर्ष में आयोजित होने वाले सबसे विशाल एवं विराट धार्मिक समागम को कुंभ मेला के नाम से जाना जाता है। यह आयोजन प्रयाग व हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी के तट पर, उज्जैन में शिप्रा नदी तथा नासिक में गोदावरी नदी के किनारे किया जाता है। देश दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में पौष पूर्णिमा व मकर संक्रान्ति जैसे पावन अवसरों पर स्नान करते हैं। यदि हम आयोजन स्थल की बात करें तो वार्षिक माघ मेला हो या 6 वर्षों के अंतराल में पड़ने वाले अर्ध कुंभ या फिर 12 वर्षों के अंतराल में आयोजित होने वाले पूर्ण कुंभ,सभी आयोजनों के लिये सबसे उपयुक्त, खुला व विशाल स्थान प्रयागराज ही है। यहाँ गंगा-यमुना तथा संगम के दोनों किनारों पर कई किलोमीटर लंबे खुले स्थान हैं जहाँ लाखों श्रद्धालु एक ही समय में सुगमता पूर्वक रुक सकते हैं स्नान कर सकते हैं। परन्तु इस बार सरकार द्वारा इस आयोजन को महाकुंभ के रूप में प्रचारित किया गया तथा यह भी बताया गया कि यह 144 वर्षों बाद आयोजित होने वाला महाकुंभ है। हालांकि इस दावे पर उँगलियाँ उठ रही हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जैसे संत 144 वर्ष बाद के दावे पर यह कहते हुये सवाल उठा रहे हैं कि इससे पहले 2013 व 2001 के कुंभ को भी 144 वर्ष बाद पड़ने वाला महाकुंभ बताया गया था।

इसके अतिरिक्त इस बार का आयोजन जहाँ श्रद्धालुओं का करोड़ों की संख्या में मेले में आवागमन, विदेशी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में शिरकत , विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति,आधुनिकता,उच्चस्तरीय हाई टेक ठहरने की व्यवस्था जैसी अनेक बातों को लेकर चर्चा में रहा वहीं पहली बार यह देखा गया कि स्वयं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री सहित देश के तमाम विशिष्ट जनों को महाकुंभ में आने का न्योता दिया गया। हालाँकि मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत तौर पर लोगों को निमंत्रण देने की कई जगह आलोचना भी हुई। कुछ लोगों का कहना था कि यह धार्मिक आयोजन है इस पर सभी का अधिकार है इसलिये आयोजक के रूप में न्योता देने का कोई अर्थ नहीं है। परन्तु राजनीति के वर्तमान दौर में जबकि बिना कुछ किये ही राजनेता श्रेय लेने को आतुर रहते हैं ऐसे में इतने बड़े आयोजन की भव्यता दिव्यता व सफलता का श्रेय डबल इंजन की सरकारें न लें यह आखिर कैसे हो सकता है। इस महाकुंभ के व्यापक प्रचार प्रसार की गरज से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में महाकुंभ-2025 की विस्तृत चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया था कि किस तरह संगम तट पर मेले की जोरदार तैयारियां चल रही हैं । साथ ही उन्होंने मेले से पूर्व हेलीकाप्टर से पूरा कुम्भ क्षेत्र देखने के अनुभव को साँझा करते हुये कहा कि- इतना विशाल, इतना सुन्दर, इतनी भव्यता। मोदी ने कहा कि अगर कम शब्दों में कहें तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश और दूसरे तरीके से कहूंगा गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। और इसी अपील के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल अपने देश बल्कि पूरे विश्व के श्रद्धालुओं को भी महाकुंभ में आमंत्रित किया। स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने दिसंबर माह में 4 बार महाकुंभ का निरीक्षण किया। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि 2019 में आयोजित हुये कुंभ मेले की तुलना में इस बार पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगभग प्रत्येक जनोपयोगी सुविधाओं में व्यापक विस्तार किया गया। जाहिर है भारतीय मीडिया भी काफी पहले से महाकुंभ आयोजन का दिन रात प्रचार कर रहा था। सरकार द्वारा टी वी,समाचारपत्र-पत्रकाओं सहित लगभग सभी प्रचार माध्यमों में सैकड़ों करोड़ के विज्ञापन दिए गये थे। हद तो यह है कि बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सरीखे नाममात्र प्रवचन कताओं द्वारा यह तक कह दिया गया था कि इस महाकुंभ में स्नान न करने वाला देशद्रोही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये सरकार द्वारा हजारों की संख्या में विशेष रेलगाड़ियां,बसें,विमान आदि भी चलाये गये। इस तरह के व्यापक प्रचार प्रसार तथा धार्मिक आस्था के घालमेल में करोड़ों लोगों का प्रयागराज में इकठ्ठा होना तो स्वभाविक था ही।

परन्तु दुर्भाग्यवश इतना विशाल आयोजन प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक कुप्रबंधन का शिकार रहा। मेला क्षेत्र में 30 दिन के अंदर अलग अलग क्षेत्रों में पांच बार तो आगजनी की घटनायें घटीं। जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से अधिक प्रशिक्षित अग्निशामक , 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए थे साथ ही अखाड़ों और टेंट में अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लगाए गए थे। उसके बावजूद यह हादसे पेश आये ? इसी तरह कुंभ मेला क्षेत्र में अनेक बार भगदड़ मची। जिसमें दर्जनों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। अभी भी कई लोगों को अपने खोये परिजनों की तलाश है। पूरा शहर कई दिनों तक जाम की चपेट में रहा। यहाँ तक कि वी आई पी पास निरस्त करने पड़े और प्रयागराज को नो वेहिकिल जोन तक घोषित करना पड़ा। और आखिरकार श्रद्धालुओं के इस सैलाब ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ का रूप ले लिया। यहाँ भी 14 महिलाओं व 4 पुरुषों की मौत हो गयी। महाकुंभ में न आने वालों को देशद्रोही बताने वाले बागेश्वर के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने भगदड़ में मरने वालों को लेकर यह विवादित बयान दे दिया कि -जो कोई गंगा किनारे मरेगा वह मरेगा नहीं बल्कि मोक्ष प्राप्त करेगा। इसतरह सरकार को खुश करने के लिये अनेक साधु संतों द्वारा तरह तरह की भ्रामक बातें की गयीं जबकि इन हादसों के लिये सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराने वालों को सनातन विरोधी,हिन्दू विरोधी,कांग्रेसी,नकारात्मक सोच रखने वाला कहा जाने लगा। हद तो यह है कि भगदड़ पर सवाल उठाने वाले शंकराचार्य के विरोध में तो सारा संत समाज ही इकठ्ठा हो गया ? शंकराचार्य ने भगदड़ में मृतकों के प्रति हमदर्दी व सरकार की लापरवाही पर ऊँगली क्या उठा दी कि उनके पद को ही चुनौती दी जाने लगी ?

बकरियों की उपयोगी नस्लें

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

ब्लैक बंगाल: इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है।

प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्न बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाद्गिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ्र गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10ः1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए र्प्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वर्गीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ्र.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिुॉर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

इजराइल गये हजारों भारतीयों से मजदूरी

हैदराबाद । भारत से सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन सेरेमिक टाइल्स एक्सपर्ट और फर्नीचर इत्यादि काम के लिए जो कारीगर इजराइल गए थे। वहां पर उनसे मजदूरी का काम लिया जा रहा है। अच्छी सैलरी देने का लालच देकर इन्हें इजराइल ले जाया गया था। वहां पर इनसे मजदूर वाला काम कराया जा रहा है। बहुत कम मजदूरी दी जा रही है। जो सुविधाएं दी जानी चाहिए थी वह भी नहीं दी जा रही हैं। तेल अबीब स्थित इजराइल तेलंगाना संगठन के अध्यक्ष सोमा रवि ने हमास युद्ध के बीच भारत से जिन कामगारों को इजराइल ले जाया गया था। उनसे मजदूरी वाला काम लिया जा रहा है।अभी तक भारत से 10000 से ज्यादा कामगार इजराइल गए हैं। इनमें 2000 से अधिक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कामगार हैं।जो इजराइल जाने के बाद से परेशान हैं। जिस काम के लिए इन्हें बुलाया गया था। उसके स्थान पर इनसे मजदूरी कराई जा रही है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सीएम स्टालिन को याद दिलाया पीएम मोदी का बयान, तमिल भाषा शाश्वत है

नई दिल्ली । ट्राई लैंग्वेज विवाद पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को पत्र लिखा। उन्होंने राज्य में हो रहे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के विरोध की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्र में किसी भी भाषा को थोपने का सवाल नहीं है। लेकिन विदेशी भाषाओं पर अत्यधिक निर्भरता खुद की भाषा को सीमित करती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) इसे ही ठीक करने का प्रयास कर रही है। एनईपी भाषा की स्वतंत्रता को कायम रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि छात्रा अपनी पसंद की भाषा सीखना जारी रखें। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने अपने पत्र में मई 2022 में चेन्नई में पीएम मोदी के तमिल भाषा शाश्वत है के बयान का जिक्र कर लिखा कि मोदी सरकार तमिल संस्कृति और भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें।

रेलवे का एक्स को नोटिस, रेलवे स्टेशन भगदड़ वाले वीडियो लिंक हटाएं

नई दिल्ली । नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हुई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक आदेश जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया है। रेल मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजकर घटना से जुडे सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था। रेलवे ने तर्क देकर कहा कि इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून–व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। दरअसल दिसंबर में प्रत्यक्ष रूप से वीडियो हटाने का अधिकार मिलने के बाद कंटेंट को लेकर यह मंत्रालय की पहली बड़ी कार्रवाई है। हालांकि इस तरह का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जनवरी में ही यूट्यूब और इंस्टाग्राम को भेजे गए नोटिस में भ्रामक और संवेदनशील–भड़काऊ जानकारी वाले कंटेंट को लेकर सख्ती दिखाई गई थी।

संभल हिंसा मामले में एक महिला को 1 लाख के मुचलके पर रिहाई मिली

संभल । संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में 1 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद 79 आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, 24 नवंबर 2024 की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित 80 आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी। बीते दिन चंदौसी स्थित सीजेएम कोर्ट ने फरहाना के खिलाफ साक्ष्य न होने के अभाव में एक लाख रुपये के मुचलके पर रिहा करने का आदेश जारी कर दिया। वकील गनी अनवर ने बताया कि हिंसा के मामले में फरहाना को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद हमारी ओर से महिला के निर्दोष होने की जानकारी देकर प्रार्थना पत्र पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया था। मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से निष्पक्ष जांच करने का आश्वासन मिला था। जांच पूरी होने के साथ ही महिला के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं मिले, जिसपर प्रशासनिक स्तर पर महिला को रिहा किया गया।

बच्ची का यौन शोषण कर प्रिंसिपल, लो 20 रुपये... मुंह बंद रखना

-बच्ची की दादी ने प्रिंसिपल की कर दी चप्पल से पिटाई

जमुई । बिहार के जमुई के एक सरकारी स्कूल से शर्मसार कर करने वाली खबर आई है। यहां एक स्कूल के प्रिंसिपल पर दूसरी कक्षा की छात्रा को गलत तरह से छूने का आरोप लगा है। जमुई में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल शमशेर आलम ने एक छात्रा को 20 रुपये का लालच देकर उसके साथ यौन शोषण किया। बच्ची के अनुसार आरोपी ने कहा कि ये लो 20 रुपये, अपना मुंह बंद रखना। इसके बाद बच्ची सदमे में आई और स्कूल जाना बंद किया। इसके बाद बच्ची के परिजनों ने जब स्कूल न जाने की वजह जानने की कोशिश की तब बच्ची ने रोते हुए मम्मी से स्कूल के प्रिंसिपल की पूरी करतूत बता दी। ये मामला नवीन प्राथमिक मकतब, खपरिया विद्यालय का है। घटना का जानकारी के बाद स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और सभी प्रिंसिपल का विरोध करने लगे। इतना ही नहीं बच्ची की दादी का गुस्सा को आलम की करतूत को लेकर सातवें आसमान पर था। उन्होंने शमशेर आलम की चप्पल से पिटाई कर दी। घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी गुस्सा है। उन्होंने थाने में लिखित शिकायत की है। बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी के मामले में पुलिस ने आलम को गिरफ्तार कर जमुई जेल भेज दिया।

दिल्ली में नई सरकार के सामने हैं ढेरों चुनौतियां, बिगड़ा है बजट

–सीएम रेखा ने ली कैबिनेट बैठक, वादों को पूरा करने बनाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी की नई सरकार ने शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही अपनी पहली कैबिनेट बैठक की। दिल्ली सीएम बनी रेखा गुप्ता की सरकार के सामने ढेरों चुनौतियां हैं। इस बैठक में प्रदूषण, यमुना सफाई, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कें और पानी जैसी बुनियादी समस्याओं पर बातचीत हुई। साथ ही चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की रणनीति भी बनाई गई। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली का खस्ताहाल बजट है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं के लिए बस यात्रा जैसी योजनाओं पर पहले से ही भारी खर्च हो रहा है। डीटीसी और दिल्ली जल बोर्ड को भी बड़ी धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है। पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने कई खर्चों को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज भी लिया था। वित्त विभाग ने इसके दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर आपत्ति जताई थी, लेकिन फिर भी यह कर्ज लिया गया। एक अधिकारी के मुताबिक मौजूदा योजनाओं और नए चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकार को सालाना कम से कम 24 हजार करोड़ रुपए की जरूरत होगी। वित्त विभाग ने कई बार राज्य सरकार को खराब होती वित्तीय स्थिति से अवगत कराया था। जल बोर्ड के खातों के विशेष ऑडिट की घोषणा के अलावा वित्त विभाग ने करीब 38 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए की वित्तीय सहायता देने के सरकार के फैसले पर भी आपत्ति जताई थी। हालांकि दिल्ली का राजस्व टैक्स और गैर-टैक्स स्रोतों से सालाना 9-10 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि केवल केंद्र सरकार का अनुदान ही नए खर्चों को पूरा कर सकता है।

दिल्ली की हवा को स्वच्छ बनाना नई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। सर्दियों से पहले ही इस पर काम शुरू करना होगा, क्योंकि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। 2023 तक दिल्ली में पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर में लगातार गिरावट आई, लेकिन 2024 में यह ट्रेंड टूट गया। 2024 में पीएम10 की वार्षिक औसत सांद्रता राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से 3.5 गुना और डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन से 14 गुना ज्यादा थी। शहर में स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर प्रदूषण को कम करने के लिए बड़े कदम उठाने होंगे। दिल्ली को शहर और आसपास के क्षेत्रों में रीयल-टाइम या दैनिक स्रोत-विभाजन अध्ययन की जरुरत है।

बीजेपी सरकान ने यमुना के पानी को इतना साफ करने का लक्ष्य रखा है कि तीन साल में कोई भी इसमें बिना किसी बीमारी के डुबकी लगा सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद यमुना की सफाई का वादा किया है, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती है। अब केंद्र और हरियाणा दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, इसलिए नई दिल्ली सरकार संसाधनों की कमी या अपस्ट्रीम प्रदूषण को बहाना नहीं बना सकती है। नई कैबिनेट के शपथ लेने से पहले ही, केंद्र ने दिल्ली एलजी वीके सक्सेना के जरिए से जो पहले एक उच्चस्तरीय यमुना समिति का नेतृत्व करते थे, कचरा हटाने के लिए फ्लोटिंग क्रेन और ट्रॉमेल मशीनों को तैनात करने जैसे कदम उठाए हैं।

एमसीडी ओखला, गाजीपुर और भलस्वा में तीन बड़े लैंडफिल को समतल करने के लिए संघर्ष कर रही है, जहां 160 लाख टन से जयादा पुराना कचरा पड़ा हुआ है और 3,000-3,500 टन ताजा कचरा रोजाना डाला जाता है। 2019 में एनजीटी ने कचरे के ढेर से पैदा हुई गंदगी पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। एमसीडी ने 2020 में तीन लैंडफिल पर बायोमाइनिंग कार्यों का पहला चरण शुरू किया। केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत इस उद्देश्य के लिए 1,395.6 करोड़ रुपए आवंटित किए। भलस्वा को छोड़कर ओखला और गाजीपुर में पुराने कचरे के टारगेट को पूरा नहीं किया जा सका है। एमसीडी की स्थायी समिति के गठन न होने के कारण बायोमाइनिंग के दूसरे चरण की प्रक्रिया अटक गई है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही स्थायी समिति की शक्ति नगर आयुक्त को सौंपी ताकि 18 महीनों में लैंडफिल पर 80 लाख टन पुराने कचरे को हटाने के लिए नए सिरे से निविदाएं जारी की जा सकें।

दिल्ली के तीन अस्पताल रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, मंगोलपुरी में संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल और मोती नगर में आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल शहर के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे में 16,186 बेड जोड़ सकते हैं, लेकिन इन परियोजनाओं का काम धन की कमी के चलते नहीं हो सका है। इन अस्पतालों को अगले तीन सालों में पूरा करने के लिए अनुमानित 10,250 करोड़ रुपए की जरुरत है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 2024-25 वित्तीय वर्ष में इन सुविधाओं को पूरा करना सुनिश्चित करे।

भाजपा का आरोप, राहुल गांधी और कांग्रेस की जांच होनी चाहिए, क्या 21 मिलियन डॉलर के लाभार्थी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर भेजने के बयान पर देश में हंगामा मचा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की जांच की बात कही है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कहा है कि भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे किक बैक स्कीम (रिश्वत योजना) कहा। यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि क्या राहुल गांधी और कांग्रेस इकोसिस्टम इस किकबैक स्कीम का लाभार्थी था! इसके अलावा बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मतदान के लिए भारत को 21 मिलियन डॉलर भेजने की बात कहने के एक दिन बाद, इस आरोप को फिर से दोहराया है। यही नहीं, वह इससे बांग्लादेश को भेजे गए 29 मिलियन डॉलर से भ्रमित नहीं कर रहे हैं। इस बार, ट्रंप ने अपने बयान में रिश्वत का भी उल्लेख किया है। अनिवार्य रूप से, इस पैसे का उपयोग डीप स्टेट एसेट्स को बनाए रखने के लिए भी किया जाता है जो इसतरह के खुलासों को बचाने और पलटने का काम करते हैं। हम अब भारत में भी यही पैटर्न होते हुए देख रहे हैं। बता दें कि ट्रंप ने कहा था, भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन डालर। हम भारत में मतदान की परवाह क्यों कर रहे हैं? हमारे पास पहले से ही बहुत सी समस्याएं हैं। हम अपनी समस्याओं को सुलझाना चाहते है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इतना सारा पैसा भारत जा रहा है?

मायावती का पलटवार, हमे ज्ञान देने की वजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए। मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे कि लोकसभा में बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती किसी कारण से नहीं लड़ीं। इस बात का हमें काफी दुख है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में करीब 70 नए चेहरे उतारेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी गच्चा खाने के बाद कांग्रेस पंजाब में अपनी ताकत बढ़ाने और जमीन को मजबूत करने में जुट गई है। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 2027 में होने वाले इलेक्शन में पार्टी कम से कम 60-70 नए चेहरों पर दांव लगाएगी।

वडिंग ने पंजाब युवा कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'पंजाब कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव में विधायक के रूप में राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए 60-70 नए चेहरों को मौका देने के लिए दृढ़ है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। पंजाब के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे नेताओं की ओर से किया जाएगा जो गतिशील, प्रतिबद्ध और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। पीपीसीसी प्रमुख ने संगठन के भीतर सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा नेताओं के रूप में आपकी यात्रा आपके कार्यों में अनुशासन और उद्देश्य के प्रति समर्पण से शुरू होती है। पार्टी के विकास और पंजाब की बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम करें। अगले चुनाव से पहले हमारे पास सिर्फ 2 साल बचे हैं। यह लोगों की चिंताओं को दूर करके और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े होकर अपनी योग्यता साबित करने का समय है। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी युवा नेताओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने और उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राजा वडिंग ने कहा, ये नए चेहरे न केवल बदलाव के प्रतीक होंगे बल्कि युवाओं और पंजाब के आम लोगों के विश्वास और उम्मीदों पर भी खरे उतरेंगे। उन्होंने युवा कांग्रेस के सदस्यों से इस अवसर का अटूट प्रतिबद्धता के साथ लाभ उठाने का आग्रह किया। इस बात पर जोर भी दिया कि उनके प्रयास भविष्य में अधिक मजबूत, अधिक समावेशी और एकजुट पंजाब की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कांग्रेस की

ओर से जारी बयान में वडिंग के हवाले से कहा गया, यह आपके लिए खुद को साबित करने और पंजाब के लोगों को यह दिखाने का मौका है कि हम वास्तविक और सार्थक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तमाम आरोपों का सामना कर रहे मंत्री मुंडे लाइलाज 'बेल्स पाल्सी' बीमारी से हुए पीड़ित

मुंबई (एजेंसी)। तमाम तरह के आरोपों से घिरे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता धनंजय मुंडे लाइलाज बीमारी बेल्स पाल्सी से पीड़ित हो गए हैं। इसकी जानकारी खुद मुंडे ने अपने फेसबुक एकाउंट दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल मैं दो मिनट भी ठीक से बोल नहीं पा रहा हूं, जिसकी वजह से मैं मंत्रिमंडल की बैठक और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहा हूं। मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को भरोसा दिलाया कि वह अपनी बीमारी से उबरने और जल्द से जल्द सार्वजनिक सेवा में लौटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि बीते साल नौ दिसंबर को बीड के मसाजोग में सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण और हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड की गिरफ्तारी के बाद से वह विपक्ष और सत्तारूढ़ 'महायुति'के कुछ सहयोगियों के निशाने पर हैं। मुंडे ने कहा है कि उनका सरपंच मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कृषि मंत्री रहते हुए अनियमितताओं के आरोपों का भी खंडन किया है।

क्या है बेल पाल्सी

जानकारों के मुताबिक बेल पाल्सी चेहरे मांसपेशियों के कमजोर होने या लकवा मारने से जुड़ा है। यह अचानक शुरू हो सकता है और मरीज की स्थिति 48 घंटों के भीतर बिगड़ सकती है। इसमें आमतौर पर चेहरे या सिर में दर्द और असहजता हो सकती है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन अधिकांश इसका असर गर्भवती महिलाओं और डायबिटीज, इन्फ्लुएंजा, सर्दी या सांस की परेशानी से जुड़े लोगों में हो सकता है। खास बात है कि यह बीमारी स्थाई नहीं है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह आसानी से नहीं जाती है। फिलहाल, इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन मरीज आमतौर पर 2 सप्ताह से लेकर 6 महीने के बीच रिकवरी होना शुरू हो जाती है।

1984 सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार की हुई सुनवाई

–कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, पीड़ित पक्ष मांग रहा मौत की सजा

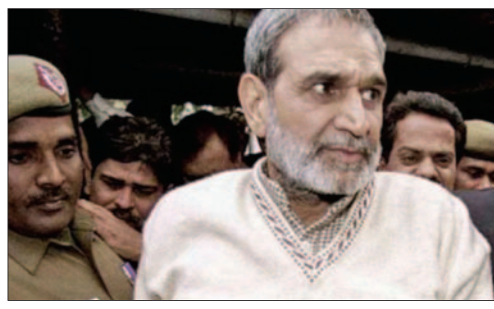

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार को मौत की सजा देने की मांग की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था। उन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया है। वह पहले से ही दिल्ली कैंट मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में जज कावेरी बावेजा ने शुक्रवार को बचाव पक्ष को दो दिन में लिखित दलीलें पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हम 25 फरवरी दोपहर 2 बजे के बाद सज्जन कुमार की सजा पर फैसला सुनाएंगे।

वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए ऑनलाइन पेश हुए और अपनी लिखित दलीलें पेश कीं और मृत्युदंड की मांग की। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अनिल कुमार शर्मा भी ऑनलाइन पेश हुए।

बता दें दिल्ली कैंट की पालम कॉलोनी में पांच सिखों की हत्या के बाद गुरुद्वारा जला दिया गया था। इस मामले में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर, 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में तीन सिखों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे। वहीं 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या हुई थी। दंगाइयों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला किया था। इसके बाद दोनों सिखों को जिंदा जला दिया गया था। इस मामले में सज्न कुमार को 12 फरवरी, 2025 को दोषी ठहराया गया है।

22 रेलवे स्टेशन से हुई करोड़ों की कमाई बैंक तक नहीं पहुंची, कैश लिफ्टर ने की करोड़ों की हैराफेरी

–रेलवे ने जांच शुरू कर एफआईआर दर्ज करवाया

धनबाद(एजेंसी)। धनबाद रेल मंडल के 22 रेलवे स्टेशन से बैंकों में जमा कराने भेजी गई करोड़ों की रकम रास्ते में ही गायब हुई। कैश ले जाने वाली कंपनी के लिफ्टरों ने ही रेलवे की करोड़ों की राशि की हेराफेरी की। इसमें स्टेट बैंक की अधिकृत एजेंसी राइटर सेफ गार्ड लिमिटेड (डब्ल्यूएसजी) के एजेंट शामिल थे।

मामला सामने आने के बाद रेलवे ने जांच शुरू की। रेलवे का वित्त विभाग हेराफेरी की जांच में जुड़ा है। सीनियर डीसीएम अमरेश कुमार ने बताया कि 22 में से 14 स्टेशन से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। अन्य आठ स्टेशन के लिए एफआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही एफआईआर दर्ज होगी। धनबाद रेल मंडल के 22 स्टेशन के टिकट आय की राशि में हुई हेराफेरी को लेकर वित्त विभाग आंकड़े खंगाल रहा है। वर्ष 2020 से 2024 तक के वित्तीय वर्ष का आकलन हो रहा है।

रेलवे की प्रारंभिक जांच में साल 2023 व 2024 में ही साढ़े सात-आठ करोड़ की हेराफेरी की बात सामने आई है। 2020 से अब तक की जांच पूरी होने पर हेराफेरी की रकम 25 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। धनबाद मंडल के रेलवे स्टेशनों से बैंक तक पैसा पहुंचाने वाले लिफ्टरों को एसबीआई की ओर से अधिकृत एजेंट के तौर पर आई कार्ड व विशेष नंबर जारी किए थे। साथ ही उन्हें स्क्रैच कार्ड भी दिया गया था। पूर्व मध्य रेल ने साल 2016 में स्टेट बैंक आफ इंडिया के साथ समझौता किया था। इसके तहत छोटे स्टेशन से प्राप्त होने वाली आय की रकम बैंकों में उनके एजेंट कैश लिफ्टर को सौंपा जाता है। कैश लिफ्टर वाणिज्य पर्यवेक्षक से ट्रेजरी रेमिटेंस नोट की तीन प्रतियों के साथ बैंक में रुपये जमा कराने ले जाते हैं। दो प्रति बैंक को तथा तीसरी बैंक की मुहर के साथ रेलवे के वाणिज्य पर्यवेक्षक को लौटा दी जाती है। जांच में पाया गया कि कैश लिफ्टर ने रुपये ले लिये पर बैंक में पूरी राशि जमा नहीं करते थे।

गर्व महसूस करने वाला पल, अमेरिका को तोप निर्यात करेगी भारतीय कंपनी केएसएसएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक यहीं सुनने को मिलाता था कि भारत अमेरिका से या किसी और देश से हथियार खरीद रहा है। लेकिन, अब अमेरिका भारत से हथियार खरीदेगा। आपकों इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा होगा, लेकिन ये सच है। दरअसल भारत से आधुनिक तोप खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी एएम जनरल मोटर्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत में निर्मित उन्नत तोपों की आपूर्ति अमेरिका को होगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने अमेरिका को तोपों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। एएम जनरल दुनिया का एक प्रमुख सैन्य वाहन निर्माता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के बाद अब अमेरिकी कंपनी के साथ हुआ यह करार डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में भारत की बढती ताकत को दिखाता है। कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड समझौते के तहत भारत में निर्मित 105एमएम और 155 एमएम कैलिबर की माउंटेड, टोव्ड और अल्ट्रा-लाइट गन सिस्टम की आपूर्ति एएम जनरल को करेगा। केएसएसएल स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ऑफ-रोड प्रोटेक्टेड मोबिलिटी सॉल्यूशंस और उच्च-तकनीकी सैन्य उत्पादों के डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता रखती है।

फोर्ज की तोपें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम से चलती हैं। यह सिस्टम तोपों को विश्वसनीय बनाने के साथ साथ काफी ज्यादा घातक बनाता हैं। तोप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके रखरखाव में काफी कम खर्च हो, इस वजह से ये पसंदीदा तोप बन गया है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जो हाल ही में द्विपक्षीय रक्षा चर्चाओं के बाद हुआ है।

भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बाबा कल्याणी ने कहा, ÷अमेरिका को भारत में निर्मित महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हम पहली भारतीय कंपनी हैं जो अमेरिका को तोपों की आपूर्ति करेगी। यह हमारी क्षमताओं का प्रमाण है और हमारी विश्व स्तरीय तोप समाधान प्रदाता बनने की मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। वहीं एएम जनरल के कार्यकारी उपाध्यक्ष, जॉन चाडबोर्न ने कहा कि यह समझौता पत्र हमारे दीर्घकालिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

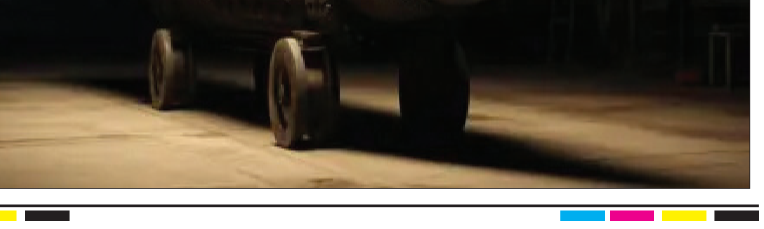

रियलमी ने लॉन्च किए रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पीउएक्स 5जी

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो भारतीय युवाओं का सबसे चहेता स्मार्टफोन ब्रांड है, उसने गर्व से रियलमी पी3 सीरीज 5जी पेश किया है। यह खासतौर से भारत के हिसाब से डिजाइन किया गया है रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी के साथ यह सीरीज भारतीय उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक इनोवेशन पेश करने की अवधारणा का प्रदर्शन करती है। बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और स्टाइल पर केंद्रित रहते हुए ये स्मार्टफोन मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देंगे, जिससे अपने यूज़र्स को सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशन पेश करने की रियलमी की प्रतिबद्धता मजबूत होती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि हमें रियलमी पी3 प्रो 5जी और रियलमी पी3एक्स 5जी पेश करते हुए बहुत खुशी हो रही है, ये दोनों डिवाइस हमारे इनोवेशन और यूज़र-केंद्रित डिज़ाइन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। रियलमी पी3 प्रो 5जी, अपने लुभावने रंग बदलने वाली फाइबर और स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट के साथ एक अद्वितीय और शानदार अनुभव देता है। रियलमी पी3एक्स 5जी, अपनी विशाल बैटरी और उच्चतम स्तर की वाटरप्रूफ क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों को सहने के लिए बनाया गया है। दोनों डिवाइस बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस, शानदार दृश्य और लम्बे समय तक चलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, इसीलिए यह हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए आदर्श विकल्प हैं।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा कि हम रियलमी पी3 सीरीज 5जी को फ्लिपकार्ट पर लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, यह हमारे ग्राहकों को नए इनोवेशन के साथ-साथ बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस देने का वादा करते हैं। रियलमी के साथ, हम डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी के मामले में हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं, रियलमी पी3 सीरीज 5जी अपनी मनमोहक खूबियों और इनोवेटिव डिज़ाइन के साथ अलग ही पहचान बनाता है। यह लॉन्च हमारे उपयोगकर्ताओं को बेहतरीन स्मार्टफोन्स आकर्षक मूल्य पर देने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे हमारे प्लेटफॉर्म के माध्यम से सर्वोत्तम टेक्नोलॉजी तक पहुँच सकें।

महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स अपने 20वें संस्करण के लिए तैयार

20 भारतीय राज्यों से 32 भाषाओं और बोलियों में 367 नाटकों में से चुने गए उत्कृष्ट नाटक

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रंगमंच के प्रतिष्ठित पुरस्कार और फेस्टिवल–महिंद्रा एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड्स –13 से 20 मार्च 2025 तक लौट रहे हैं। महिंद्रा ग्रुप द्वारा स्थापित इस पुरस्कार समारोह के 13 श्रेणियों के लिए नामांकित शीर्ष 10 नाटकों की घोषणा की गई है। ये नाटक नई दिल्ली में प्रस्तुत किए जाएंगे और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ इस फेस्टिवल का भव्य समापन होगा। विजेताओं को 20 मार्च 2025 को कमानी ऑडिटोरियम में रंगमंच की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। बेहतरीन नाटकों के लिए मशहूर, मेटा में अब तक पौराणिक कथाओं, लिंग, पहचान, विद्रोह, दमन, अधिनायकवाद, व्यक्तिगत संघर्षों और रोमांच जैसे विषयों पर नाटक शामिल रहे हैं। अपने 20वें संस्करण में भी नामांकित नाटक सीमाओं को तोड़ते हुए विविध दृष्टिकोणों और कहानियों का सम्मिश्रण प्रस्तुत कर रहे हैं। 2025 संस्करण के लिए इस फेस्टिवल में भारत के 20 राज्यों से 367 प्रविष्टियां प्राप्त हुई, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां भी शामिल हैं। इस बार शॉर्टलिस्ट किए गए नाटक मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से हैं। हमेशा की तरह, फेस्टिवल ने समावेशिता और विविधता को अपनाया है, इस बार 32 भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुतियां आई हैं। अंतिम 10 नामांकनों में हिंदी, मलयालम, बांग्ला, कन्नड़, संस्कृत, बुंदेली और अंग्रेज़ी में नाटक शामिल हैं।

117 तक जाएगा एनएचपीसी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। हाइड्रो पावर कंपनी एनएचपीसी के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 4 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 77.60 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक पॉजिटिव अपडेट है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने एनएचपीसी को आउटपरफॉर्म से हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग में अपग्रेड किया है। बता दें कि हाई कन्विक्शन का मतलब ऐसे स्टॉक्स से है जिनमें अपने पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लगा सकते हैं। यह इसमें मजबूत डेवलपमेंट कैपासिटी को दिखाता है। सीएलएसए एनएचपीसी में लंबी अवधि के लिए निवेश के रूप में देखता है। उनके मुताबिक, आने वाले सालों में इससे जबरदस्त मुनाफे की उम्मीद है। फर्म का मानना है कि स्टॉक के बेसिक प्रिंसिपल और आगामी परियोजनाएं इसमें पर्याप्त उछाल की स्थिति में हैं।

क्या है टारगेट प्राइस

हालांकि, सीएलएसए ने हाई कैपिटल एक्सपेंडिचर को ध्यान में रखते हुए कंपनी का टारगेट प्राइस को पहले के 120 रुपये से घटाकर 117 रुपये कर दिया है। सीएलएसए का मानना है कि स्टॉक में अगले चार वर्षों में दोगुना होने की क्षमता है, जिससे यह एक अट्रैक्टिव लॉन्ग टर्म निवेश बन जाएगा। बता दें कि पिछले छह महीनों में एनएचपीसी के शेयर में हालिया 20 प्रतिशत सुधार निवेशकों के लिए स्टॉक जमा करने का एक सस्ता अवसर बना हुआ है। पारबती 2 हाइड्रो परियोजना की शुरुआत से त्ता स्न्ङ्ग25 में विनियमित इक्विटी में 27 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी। कम अवधि के विनियमित पंप भंडारण में एनएचपीसी के प्रवेश को विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जाता है। ब्रोकरेज को वित्त वर्ष 2024-28 के दौरान विनियमित इक्विटी में 2 गुना वृद्धि का अनुमान है, क्योंकि प्रमुख परियोजनाएं पूरी होने तक पहुंचती हैं, जिससे प्रति शेयर आय (ईपीएस) में वृद्धि होती है।

एनएचपीसी शेयर की कीमत

पिछले साल एनएचपीसी के शेयरों में 21 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, दो साल की अवधि में, स्टॉक ने 89 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न दिया है। पिछले तीन और पांच वर्षों में, एनएचपीसी ने क्रमशः 153 प्रतिशत और 253 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

पब्लिक सेक्टर की कंपनी एनएचपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटकर 330.13 करोड़ रुपये रह गया। खर्च बढ़ने से कंपनी के लाभ में कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 623.28 करोड़ रुपये रहा था।चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 2,217.51 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,733.01 करोड़ रुपये था।

डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स में सर्विस कराना ज्यादा महंगा

66 प्रतिशत के मुताबिक सर्विस सेंटर ने ज्यादा पैसे लिए गए

नईदिल्ली, एजेंसी। सबको पता है कि गाड़ी और अपनी सुरक्षा के लिए गाड़ी की सही सर्विसिंग कितनी बहुत जरूरी है। लेकिन डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर सर्विस कराना अब मुश्किल होता जा रहा है। जारी सर्वे के मुताबिक पिछले 3 वर्षों में जिन कस्टमर्स ने डीलरशिप के सर्विस सेंटर पर अपनी गाड़ी की सर्विस कराई हैं, उनमें से 66 प्रतिशत को लगता है कि उनसे ज्यादा पैसे लिए गए। इनमें से 20 प्रतिशत को सर्विस और कस्टमर केयर की क्वालिटी भी औसत से कम लगी सिर्फ 45 प्रतिशत कस्टमर्स ने सर्वे में ये बताया कि वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स की सर्विस और कस्टमर केयर से खुश है।

76 प्रतिशत कस्टमर्स ने कहा कि अगर स्पेयर पार्ट्स और लेबर के चार्जेस 40 प्रतिशत तक कम कर दिए जाएं, तो वो डीलरशिप के सर्विस सेंटर्स पर ही सर्विस कराने जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की टेस्ला अब भारत में आ रही है। सवाल है कि स्टैंडडर्स तय करने की जरूरत है टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है और उसने भारत में भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ऐक्टिव क्लोदिंग ने क्यू3 एफवाय25 में 223 प्रतिशत पीएटी वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। मोहाली, पंजाब 17 फरवरी, 2025 : ऐक्टिव क्लोथिंग कंपनी लिमिटेड भारत की प्रमुख डिज़ाइन–टू–शेल्फ प्लेटफ़ॉर्म, जो वैश्विक फैशन ब्रांड्स के लिए फ्लैट–निटेड स्वेटर्स, जैकेट्स और सर्कुलर–निटेड ऐपरेल में विशेषज्ञता रखता है, ने अपनी अनऑडिटेड क्यू3 और 9एम एफवाय25 परिणामों की घोषणा की है।

ऐक्टिव क्लोदिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजेश मेहरा ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम क्यू3 और 9एम एफवाय25 के लिए एक मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट करने के लिए प्रसन्न हैं, जिसमें हमारे क्यू3 पीएटी में 223 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और हमारे 9एम एफवाय25 की राजस्व ने एफवाय24 के पूर्ण वर्ष की राजस्व को पहले ही पार कर लिया है। यह वृद्धि हमारे नवाचार, दक्षता और प्रमुख वैश्विक फैशन ब्रांड्स के साथ संबंधों को मजबूत करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है।

लाइफ सेविंग का काम करता है इमरजेंसी विभाग-डॉ. वी. निरंजनी

बैतूल। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने कहा, वर्तमान समय में लोगों में मेडिकल इमरजेंसी के बारे में अवेयरनेस की जरूरत है क्योंकि आमतौर पर देखा जाता है कि लोग किसी भी समस्या के लिए इमरजेंसी विभाग में पहुंच जाते हैं. यहां केवल इमरजेंसी पेशेंट को ही लाना चाहिए जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. इमरजेंसी विभाग में उच्च प्रशिक्षित स्टाफ और डॉक्टर रहते हैं जिनका फायदा उन्हें मिलना चाहिए जो ज़्यादा पीड़ित है और जिन्हे तुरंत उपचार की आवश्यकता है. सबसे पहले तो यह जागरूकता लानी जरूरी है कि कौनसे पेशेंट को इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए और किसे ओपीडी में. यदि पेशेंट को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, चेस्ट पेन है, स्ट्रोक की समस्या है, लकवे का शिकार हुआ है, ज्यादा बुखार है, चक्कर आकर गिर गया है, एक्सीडेंट हुआ है तो उसे बगैर देरी किए इमरजेंसी विभाग में ले जाना चाहिए. अन्यथा पेशेंट 3-4 दिनों से समस्या से जूझ रहा है और उसे सर्दी, खांसी जैसी सामान्य समस्या है तो इसके लिए ओपीडी में जाना चाहिए. ऐसे में इमरजेंसी विभाग का लोड कम होगा और जो वाकई इमरजेंसी पेशेंट हैं, उन्हें यह सुविधा तत्काल प्रभाव से मिल सकेगी क्योंकि इमरजेंसी विभाग लाइफ सेविंग का काम करता है. मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की कंसलटंट (एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी) डॉ. वी. निरंजनी ने आगे कहा, सबसे जरूरी तो यह है कि हर किसी के घर में फर्स्ट एड किट होना ही चाहिए. इसमें कॉटन, क्रेप बैंडेज, बिटाडीन क्रीम, स्प्रे, गौज रोल आदि चीजें होनी चाहिए.

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

मुंबई। एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट लिमिटेड ने पशु विकास दिवस के दौरान कई स्थानों पर एक साथ 'सबसे बड़े पशु विकास प्रशिक्षण' के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा लिया है। इस गतिविधि में देश भर के 6 आयोजन स्थलों पर 517 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कंपनी द्वारा आयोजित पशु विकास दिवस के सातवें संस्करण के तहत यह उपलब्धि हासिल की गई, जो देश का सबसे बड़ा एक दिवसीय पशु देखभाल शिविर था। इन शिविरों का आयोजन एक साथ 16 राज्यों के 500 स्थलों पर किया गया जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1,90,000 रही (150,000 पशु एवं 40,000 पशु मालिक)। भारत में तकरीबन 65-70 फीसदी ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि से संबंधित गतिविधियों पर निर्भर करती है।

नायसस फाइनेंस की दुबई शाखा संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में अपना विस्तार करेगी

मुंबई, एजेंसी। नायसस फाइनेंस सर्विसेज को लिमिटेड जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्ट्रक्चर्ड फाइनेंस में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रसिद्ध निवेश प्रबंधन फर्म है, ने यह घोषणा की है की दुबई-स्थित फंड सलाहकार, नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ ने नायसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी (फंड) और इससे जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए वित्त जुटाने में सहायता के लिए वैश्विक अग्रणी निवेश बैंक होलिहॅन लोकी को नियुक्त किया है।

होलिहॅन लोकी, अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया-प्रशांत में मजबूत उपस्थिति वाला एक प्रमुख वित्तीय संस्थान, विलय और अधिग्रहण, पूंजी बाजार, वित्तीय पुनर्गठन और वित्तीय और मूल्यांकन सलाहकार में माहिर है। एलएसईजी (पूर्व में रिफाइनिटिव) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार लेनदेन की संख्या के आधार पर, फर्म को पिछले दस वर्षों से लगातार यू.एस. में नंबर 1 एम एंड ए सलाहकार और लगातार ग्यारह वर्षों तक नंबर 1 वैश्विक पुनर्गठन सलाहकार के रूप में स्थान दिया गया है।

नायसस फाइनेंस हाई यील्ड ग्रोथ फंड एक डीआईएफसी-पंजीकृत श्रेणी 3सी फंड है, जिसे दुबई फाइनेंशियल सर्विसेज अथॉरिटी (डीएफएसए) द्वारा एक योग्य निवेशक संपत्ति फंड के रूप में विनियमित किया जाता है। यह खाड़ी क्षेत्र में उच्च-उपज, स्थिर, किराए पर कमाई वाली संपत्ति प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक अमेरिकी डॉलर आईआरआर है। फंड ने पहले ही दुबई की दो प्रमुख संपत्तियों, जुमेराह विलेज सर्कल (जेवीसी) और अल फुरजान में पूंजी लगा दी है, जिसका कुल निवेश मूल्य 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। नायसस फाइनेंस इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी एफजेडसीओ, नायसस फाइनेंस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, फंड के लिए विशेष निवेश सलाहकार के रूप में कार्य करती है।

नायसस फाइनेंस, जो अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाली प्रमुख वैकल्पिक फंड प्रबंधक कंपनी है, वर्तमान में तीन फंड्स का प्रबंधन कर रही है, जिनमें से एक है निसस हाई यील्ड ग्रोथ फंड क्लोज्ड-एंडेड आईसी, जो डीएफएसए संदर्भ संख्या सी000226 के तहत पंजीकृत है।

बढ़ती मांग के बीच कैंब्रिज की चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार हुआ

मुंबई, एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप द्वारा कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट सीरीज़ का विस्तार किया जा रहा है। ये टेस्ट स्कूलों को प्राईमरी और लोअर सेकंडरी स्टूडेंट्स की लर्निंग की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं। पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने लर्नर्स की परफॉर्मेंस का आकलन करने के लिए 101 देशों के 1600 से अधिक स्कूलों ने कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट्स का उपयोग किया। कैंब्रिज बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए मई और अक्टूबर के अलावा 2026 से मार्च में तीसरी टेस्ट सीरीज़ शुरू कर रहा है।

कैंब्रिज हर सीरीज़ के लिए एक सप्ताह का टाईमटेबल भी पेश कर रहा है, और यह मई सीरीज़ की तारीखें स्कूलों की जरूरतों के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। राखी मुखर्जी, प्रिंसिपल, उत्पल शांघवी ग्लोबल स्कूल एवं पीपीएसआईजेसी ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट मूल्यांकन के अलावा हमारे लर्नर्स की जरूरतों के बारे में निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण डेटा और उनकी परफॉर्मेंस का वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हैं। इस व्यक्तिगत विश्लेषण द्वारा हम ज्यादा केंद्रित सहयोग प्रदान कर सकेंगे, जिससे हर विद्यार्थी को लर्निंग में मदद मिलेगी। साथ ही, इस परिवर्तन द्वारा हमें एकेडेमिक वर्ष की शुरुआत में ज्यादा प्रभावी योजना बनाने में मदद मिलेगी, जिससे टीचिंग और लर्निंग के लिए संरचनाबद्ध दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा। सभी परीक्षाओं का समन्वय एक स्वागतयोग्य कदम है, जिससे हमारे जैसे कैंब्रिज पाथवे स्कूलों के लिए ज्यादा तालमेल और स्पष्टता आ सकेगी।'' रॉड स्मिथ, ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल एजुकेशन, कैंब्रिज ने कहा, ''कैंब्रिज चेकपॉईंट टेस्ट स्कूलों को युवा लर्नर की प्रगति को ट्रैक करने और सहयोग को अनुकूलित करने में मदद करते हैं।

किआ इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश की नई ईवी6, नवाचारों की प्रेरक दुनिया का किया प्रदर्शन

नई किआ ईवी6 में 5 नए ऑटोनॉमस फीचर्स जोड़े गए हैं, जो इसे और भी सुरक्षित और स्मार्ट बनाते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहन 650+ किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है, जो इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक में किआ की उत्कृष्टता को दिखाता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में किआ इंडिया ने अपनी नई ईवी6 का अनावरण किया। कंपनी ने घोषणा की है कि इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग आज से शुरू हो गई है। यह वाहन किआ की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। नई किआ ईवी6 सुरक्षा के नए मानक स्थापित करती है। यह वाहन कंपनी के एडीएएस 2.0 पैकेज से लैस है, जिसमें 27 उन्नत सुरक्षा और ड्राइवर असिस्टेंस फीचर्स शामिल हैं। पिछले मॉडल की तुलना में इसमें 5 नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जो इसे और भी बेहतर बनाती हैं। नई किआ ईवी6 में ये उन्नत सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं- इनमें फ्रंट कोलिजन अवॉइडेंस असिस्ट : शहर, पैदल यात्री, साइकिल चालक और जंक्शन टर्निंग के लिए; फॉरवर्ड कोलिजन अवॉइडेंस : जंक्शन क्रॉसिंग और लेन चेंज असिस्ट के साथ, लेन फॉलो असिस्टः वाहन को लेन में बनाए रखने के लिए, इवेसिव स्टीयरिंग असिस्ट- टक्कर से बचने के लिए शामिल हैं। ये सभी फीचर्स कंपनी के प्रमुख मॉडल ईवी9 से प्रेरित हैं और टक्कर सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती, और यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाते हैं। किआ की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवी9 ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में तकनीक और नवाचार के नए मानक स्थापित कर रही है। इस वाहन ने प्रतिष्ठित वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब जीतने के साथ ही अपनी जगह और मजबूत कर ली है। किआ इंडिया ने ग्लोबल टेक्नोलॉजी, शानदार डिजाइन और टिकाऊ इंजीनियरिंग को अपने उत्पादों के साथ बेहतरीन तरीके से जोड़ा है। हाल ही में लॉन्च की गई किआ सिरोस इसका एक और उदाहरण है। भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 के पैवेलियन में किआ इंडिया ने इमर्सिव डिस्प्ले के जरिए ऑटोमोटिव उत्कृष्टता के भविष्य और टिकाऊ परिवहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। यह किआ इंडिया की नवाचार और एक बेहतर ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम बनाने की सोच का समर्थन करता है।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के हैप्पीनेस सर्वे के मुताबिक घरेलू सुरक्षा के उल्लंघन के शिकार 98 प्रतिशत लोगों की खुशी प्रभावित हुई

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने सुरक्षा और सही मायने में खुशी के बीच गहरे संबंध को उजागर किया

मुंबई, एजेंसी। सुरक्षा सिर्फ बस प्रतिकूल परिस्थितियों से अपनी रक्षा का नाम नहीं बल्कि यह मन की शांति और स्थायी खुशी का आधार है। गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय (सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस) द्वारा किए गए ताज़ातरीन हैप्पीनेस सर्वे से पता चलता है कि जिन लोगों के घर की सुरक्षा का उल्लंघन हुआ और उनमें से 98 प्रतिशत ने बताया कि इससे उनके समग्र सुरक्षा भाव और खुशी पर सीधा असर पड़ा है। इससे भी ज़्यादा चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि ऐसे उल्लंघन का उनके स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर हुआ।

इस सर्वेक्षण में शामिल 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं के घर सेंधमारी, डकैती और चोरी जैसी घटनाएं हुई, इसलिए ये निष्कर्ष सुरक्षा को बेहतर तरीके से अपनाने की तत्काल ज़रूरत को रेखांकित करते हैं। सर्वेक्षण में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि लोगों ने सुरक्षा के लिए कैसे तरीके अपनाए। 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्होंने होम लॉकर (तिज़ोरी) का विकल्प चुना, 45 प्रतिशत ने निगरानी कैमरों को अधिक सुरक्षित उपाय बताया, 36 प्रतिशत ने सुरक्षा गार्ड की उपस्थिति पर ज़ोर दिया, 29 प्रतिशत ने अलार्म सिस्टम को प्राथमिकता दी, और 20 प्रतिशत ने वीडियो डोर फोन की भूमिका पर रोशनी डाली।

गोदरेज एंटरप्राइज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिज़नेस के ईवीपी और बिजनेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इन निष्कर्षों पर अपनी टिप्पणी में कहा, हमारे सर्वेक्षण के निष्कर्षों में सुरक्षा और खुशी के बीच मजबूत संबंध स्पष्ट है। सुरक्षित वातावरण खुशहाल और अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी समाज को बढ़ावा देता है। सुरक्षा प्रौद्योगिकी को अपनाना सिर्फ चलन भर नहीं है, बल्कि यह बेहतर जीवन से जुड़ी प्रमुख आवश्यकता है। गोदरेज में, हम ऐसे नए-नए उपाय पेश करते रहते हैं जो लोगों को सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों की सुरक्षा करने के लिए सशक्त बनाते हैं, ताकि वे खुशहाल, चिंता मुक्त जीवन जी सकें।

सुरक्षा का मतलब सिर्फ शारीरिक सुरक्षा नहीं है। यह सीधे-सीधे भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य से जुड़ी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला

लाहौर (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को यहां के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला होगा। इस मैच में दोनों ही टीम जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगी। ऑस्ट्रेलिया को पिछली दो सीरीज में श्रीलंका और पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। वहीं कोच ब्रेंडन मैकुलम की इंग्लैंड टीम ने 2023 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद से कोई एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट से पहले उसे भारत में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों की हालत एक सी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में इस बार पैट कमिंस कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण शामिल नहीं हैं। इससे भी वह कमजोर हुई है। नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट जैसे युवा तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिली है। वहीं टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास है।

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच में मध्य के ओवरों में स्पिनरों को सहायता मिलती है। दोनों टीमें इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगी। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद अहम भूमिका निभा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पांच बड़े खिलाड़ी चोटों के कारण टीम से बाहर है। इसमें कमिंस , जोश हेजलवुड , मिचेल स्टार्क के अलावा ऑलराउंडर मिचेल मार्श व कैमरन ग्रीन हैं। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने संन्यास ले लिया है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम के पास जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड और ब्रायडन कार्स के रूप में एक अच्छा आक्रमण है। उसके पास स्पिनर आदिल रशीद स्पिन हैं जिन्हें खेलना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रीहेगा। बल्लेबाजी में उसे हैरी ब्रूक, बेन डकेट , जो रुट जैसे बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड-जोस बटलर (कप्तान), फिल सॉल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलिया - स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रैविस हेड, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), नाथन एलिस, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा।

भारत से हार तो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होगा पाक

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मैच में पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में अब अगर पाक टीम रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हारी तो सेमीफाइनल की दौड़ से ही बाहर हो जाएगी। ऐसे में पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए किसी भी हाल में ये मैच जीतना होगा जो उसके लिए बेहद कठिन है ऐसे में उसपर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पाक को सेमीफाइनल के लिए इस मैच के अलावा 27 फरवरी को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के अंति मैच में बांग्लादेश को भी हराना होगा। इसके अलावा पाकिस्तान को नेट रन रेट पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि ऐसी संभावना हो सकती है कि तीन टीमें दो-दो जीत के साथ समाप्त करें।

अगर पाकिस्तान भारत से हार जाता है वहीं न्यूजीलैंड 24 फरवरी को बांग्लादेश को हरा देता है तो उसका टूर्नामेंट में अभियान खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान ने 2017 को ओवल में खेले गए फाइनल में भारत को 180 रनों से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 संस्करण का खिताब जीता था।

विराट आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट के अपने पहले ही मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी 22 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट अब आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। विराट ने इस मैच में 13 रन बनाते ही रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब पोंटिंग सबसे अधिक रनों के मामले में तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। पोंटिंग के 44.0 की औसत से 2336 रन हैं। वहीं विराट के 64.5 के औसत से 2346 रन हैं। पहले नंबर पर 52.28 के औसत से सचिन तेंदुलकर के 2719 रन हैं। इस मैच में विराट ने एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के 156 कैच के रिकार्ड की भी बराबर कर ली है। विराट ने साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। कोहली की कप्तान में ही भारतीय टीम 2021 टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतने में भी विफल रही। 36 साल के हो रहे कोहली अब करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। आगामी आईसीसी इवेंट्स 2027 में होना है तब तक विराट शायद ही खेलें।

एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवराज, श्रीलंका से होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा।

पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं जिनमें से 2011 वनडे

विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, 'हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है।'

दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, 'मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। दिग्गजों के साथ खेलना और पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से शुरू करना, यही इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्देश्य है। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है।'

इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। सेमीफाइनल और 16 मार्च को होने वाला फाइनल रायपुर में खेला जाएगा।

आज भी विज्ञापन जगत में बनी हुई गांगुली की मांग

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के सन्यास लिए काफी लंबा समय हो गया है। इसके बाद भी वह विज्ञापन जगत में अपनी जगह बनाये हुए हैं। भातरीय क्रिकेट को आक्रामक बनाने वाले गांगुली आज भी विज्ञापन जगत के पसंदीदा चेहरों में से एक हैं। वह 40 से ज्यादा ब्रांड्स के साथ जुड़े हुए हैं। वह बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, कपड़े और फैंटेसी स्पोर्ट्स के कई ब्रांड्स से जुड़े हुए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गांगुली की उनकी लोकप्रियता का कारण मेहनती और विश्वसनीय होना है। वह हर ब्रांड के लिए पूरी ताकत लगा लेते हैं। इससे ब्रांड को विश्वसनीयता और जुड़ाव मिलता है। इससे ब्रांड को बाजार में काफी तेजी से लाभ मिलता है। बल्कि बाजार में फायदा भी दिलाता है। उनकी नेटवर्थ भी भी करीब 700 करोड़ रुपए है। गांगुली क्रिकेट के अलावा इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता टीम के सह-मालिक और दिल्ली कैपिटल्स से भी जुड़े हैं। वह लगातार बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र से भी जुड़े हुए हैं। गांगुली के इतने ब्रांड से जुड़े होने के कारण अक्सर उनकी तुलना विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ जैसे क्रिकेटरों से होती है। ये सभी भी विज्ञापन की दुनिया के पसंदीदा चेहरे हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी अंक तालिका में न्यूजीलैंड पहले, भारत दूसरे नंबर पर है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ मिली छह विकेट की जीत के बाद भी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर ही है। वहीं पहले नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है। न्यूजीलैंड ने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 60 रनों से जीत दर्ज की थी। इसी कारण भारतीय टीम नेट रन रेट के मामले में पीछे रह गई। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारत का नेट रन रेट +0.408 का है जबकि कीवी टीम का नेट रन रेट +1.200 का है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब 23 फरवरी को पाकिस्तान से होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को तीन में से कम से कम दो मुकाबले जीतने है।

रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही रोहित 100 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बन गये हैं। इससे पहले मोहम्मद अजहरुद्दीन, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली के नाम ही कप्तान के तौर पर 100 मैच जीतने का रिकार्ड है। रोहित ने अपने 138वें मैच में कप्तानी करते हुए जीत का शतक लगाया। रोहित का अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 72 से ज्यादा का है, जो 22 से ज्यादा मैच खेलने वाले सभी कप्तानों में सबसे अधिक है। उनकी तुलना में धोनी का जीत प्रतिशत 53.61, अजहरुद्दीन का 47.05 और कोहली का 63.38 रहा। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कुछ समय पहले टी20 विश्व कप भी जीता था। अब उनकी नजरें देश को चैंपियंस ट्रॉफी के तौर पर दूसरा खिताब जिताना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को 228 पर समेटने के बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को चार विकेट खोकर 231 रन बनाकर हासिल कर लिया था।

शुभमन गिल का चैंपियंस ट्रॉफी के डैब्यू मुकाबले में शतक, करियर का 8वां

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दुबई के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश पर टीम इंडिया की जीत में हीरो रहे। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए तौहीद के शतक की बदौलत 228 रन बनाए थे। भारत की ओर से मोहम्मद शमी पांच विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में भारतीय टीम को रोहित और शुभमन ने तेजतर्रार शुरूआत दी। रोहित जब 41 रन बनाकर आऊट हो गए तो एक छोर संभाले खड़े शुभमन ने 125 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। वह वनडे फॉर्मेट में उनका 8वां शतक है।

शुभमन के अब आखिरी 4 वनडे मैचों में दो अर्धशतक और दो शतक हो गए हैं। उन्होंने मैच के दौरान 129 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। यही नहीं, वह भारत के लिए सबसे कम पारियों में 8 शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम 51 पारियों में ही हासिल कर लिया। इससे पहले शिखर धवन ने 57 पारियों में ऐसा किया था। इस लिस्ट में विराट कोहली (68 पारियां), गौतम गंभीर (98 पारियां), सचिन तेंदुलकर (111 पारियां) का भी नाम है।

2010 के बाद से भारत के लिए सबसे धीमा वनडे शतक (गेंदों का सामना करके)

-138 सचिन तेंदुलकर बनाम बांग्लादेश मीरपुर 2012

-128 रोहित शर्मा बनाम दक्षिण अफ्रीका साउथेम्प्टन 2019

-125 मनोज तिवारी बनाम वेस्टइंडीज चेन्नई 2011

-125 शुभमन गिल बनाम बांग्लादेश, दुबई 2025

मैच की बात की जाए तो टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मुकाबले में विजयी शुरूआत की है। दुबई के स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने 229 रन का लक्ष्य 47वें ओवर में हासिल किया। इस दौरान शुभमन गिल के बल्ले से शतक निकला। उन्होंने एक छोर संभलते हुए 125 गेंदों पर शतक जमाया। यह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में शुभमन का शतक है। वह वनडे फार्मेट में नंबर वन बल्लेबाज है। इस पारी ने उन्हें साबित भी कर दिया कि वह क्यों नंबर वन है। इससे पहले मोहम्मद शमी ने 5 विकेट लेकर बांग्लदेश को 228 रन पर रोका था। बांग्लादेश की ओर से तौहीद ने शतक लगाया लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई। भारतीय टीम ने इसे आसानी से हासिल कर लिया।

कोच बदलने का कोई इरादा नहीं : मनु भाकर

नई दिल्ली। स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर ने कहा कि उनका कोच बदलने का कोई इरादा नहीं हैं और जसपाल राणा ही आगे भी उनके कोच बने रहेंगे। राणा को हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह मनु के कोच नहीं रहेंगे। राणा ही पेरिस ओलंपिक में मनु के कोच थे जिसमें मनु ने दो कांस्य पदक जीते थे। राणा और मनु के बीच ओलंपिक से पहले भी एक बार मतभेद की खबरें आईं थीं पर दोनो ने ही पेरिस ओलंपिक में एकसाथ आकर उन्हें गलत साबित किया था। मनु ने राणा के मार्गदर्शन में ही एक ही ओलंपिक में दो पदक जीते थे। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। मनु ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा, 'मैं इतना ही कहूंगी कि राणा मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिये बहुत अच्छे कोच रहे हैं।' मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के सिंगल्स और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीते थे। पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर शानदार प्रदर्शन कर एक सफल खिलाड़ी साहित हुईं। उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण उन्हें देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से नवाजा गया। पेरिस ओलंपिक के बाद उनकी नेटवर्थ में भी बड़ी इजाफा हुआ है।

अब तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेल का आनंद लेना चाहता हूं : धोनी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद केवल आईपीएल में ही खेलते नजर आते हैं। धोनी अब 43 साल के हो गये हैं और माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 के बाद वह इस लीग में भी शायद ही खेलें। ऐसे में अब धोनी करियर के अंतिम समय में तनावमुक्त होकर किसी बच्चे की तरह खेलना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले सत्र में उन्होंने कप्तानी भी छोड़ दी थी। धोनी का कहना है कि अभी वह आईपीएल खेलते रहेंगे पर वह किसी बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने का आनंद उठाना चाहते हैं। आईपीएल में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उनके संन्यास के पांच साल से अधिक हो गये हैं। ऐसे में अब उन्हें 'अनकैप्ड क्रिकेटर के तौर पर ही शामिल किया गया है। धोनी ने कहा कि मैं 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुका हूं। इस बीच मैं जितने भी साल खेलने के बचे हैं, उसमें एक बच्चे की तरह अपने खेल का आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उसी तरह से इसका मजा लेना चाहता हूं जैसे अपने स्कूली दिनों में लेता था। जब मैं एक कॉलोनी में रहता था और दोपहर 4 बजे खेलने का समय होता था। हम उस समय क्रिकेट ही खेला करते थे। मौसम खराब होने पर फुटबॉल खेलते थे। मैं उसी मासूमियत के साथ खेलना चाहता हूं हालांकि यह उतना आसान नहीं है।

भारत के खिलाफ मुकाबला जीतने के साथ ही खिताब भी बरकरार रखेगी पाक टीम : यूसुफ

दुबई । भारत ओर पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को यहां होने वाले अहम मुकाबले को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमों के प्रशंसकों को अपनी-अपनी टीमों की जीत का भरोसा है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि इस मुकाबले में उनकी टीम जीतेगी। यूसुफ के अनुसार उनकी टीम अपने खिताब का बचाव करने में भी सफल रहेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद यूसुफ ने कहा है कि पाकिस्तान की टीम की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में वहीं पूर्व दिग्गज दिग्गजों ने भी इस मैच को लेकर कई तरह की भविष्यवाणी ही है। कुछ का मानना है कि पाक जीतेगी। वहीं कुछ का दावा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। यूसुफ का मानना है कि भारत से मुकाबले में पाक टीम का पलड़ा भारी रहेगा। यूसुफ ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस बार मेरी पसंदीदा टीम है साथ ही वो जीत की बड़ी दावेदार है क्योंकि वो अपने सभी मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी। उन्होंने कहा कि भारत के पास भी संतुलित टीम है पर पाक का पलड़ा भारी है क्योंकि वो घरेलू हालातों में खेल रही है। दुबई में टीम अपने कई मुकाबले खेलती है और इस कारण वह भी उसके लिए घरेलू मैदान की तरह ही है।

शमी जब भी आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो अलग गेंदबाज बन जाते हैं: पूर्व भारतीय गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने आईसीसी टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी की शानदार वापसी की सराहना की जिसमें उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश पर भारतीय टीम की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि जब भी यह अनुभवी तेज गेंदबाज आईसीसी टूर्नामेंट में खेलता है, तो अलग गेंदबाज बन जाता है। अपनी पहली चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रहे शमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-53 के प्रभावशाली आंकड़े से गेंदबाजी की जिससे भारत ने गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

दुबई में 5 विकेट चटकाने के साथ ही शमी आईसीसी वनडे इवेंट में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने जहीर खान (59 विकेट) को पीछे छोड़ते हुए अपने विकेटों की संख्या 60 पर पहुंचा दी। इस प्रक्रिया में उन्होंने 200 विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनने का महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मील का पत्थर भी हासिल किया। अब उनके वनडे में 202 विकेट हो गए हैं।

चावला ने कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंट और मोहम्मद शमी - यह एक बेहतरीन प्रेम कहानी है। जब भी वह आईसीसीस टूर्नामेंट में खेलते हैं, तो वह एक अलग गेंदबाज बन जाते हैं। वह चोट से वापस आए हैं, और हाल ही में द्विपक्षीय श्रृंखला में वह थोड़े खराब दिखे, लेकिन सकारात्मक संकेत यह था कि वह अपने ओवरों को पूरा कर रहे थे। आज वह काफी बेहतर दिखे।'

34 वर्षीय शमी 200 पुरुष वनडे विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज भी बन गए, जहां वह पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर और मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक के साथ बराबरी पर हैं, जिन्होंने इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए 104 मैच खेले। इस सूची में सबसे आगे ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं, जिन्होंने 102 मैचों में यह कारनामा किया। इसके अलावा, वह गेंद फेंकने के मामले में 200 पुरुष वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज गेंदबाज भी हैं, जो स्टार्क की 5240 गेंदों से आगे 5126 गेंदें हैं।

चावला ने कहा, 'हमें अभी तक 100 प्रतिशत शमी देखने को नहीं मिले हैं, लेकिन यह पांच विकेट निश्चित रूप से इस उपलब्धि से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिस्थितियों का आकलन करना महत्वपूर्ण है और शमी अपनी सीधी सीम स्थिति के साथ जानते हैं कि गेंद को कहां पिच करना है।' चावला ने कहा, 'उन्होंने लगातार छह से आठ मीटर की दूरी पर गेंद डाली, जिससे उन्हें सतह से मूवमेंट मिल सके। यही कारण है कि वे सफल रहे और नई गेंद से शुरुआती विकेट चटकाए। उन्हें अच्छी तरह से छिपी हुई धीमी गेंदों सहित विविधताओं का उपयोग करते हुए देखना भी शानदार था।'

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज चोट के कारण 14 महीने के अंतराल से बाहर थे, जिसमें उनकी एड़ी

की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था। 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी जिसके कारण वे एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। टखने की चोट के कारण लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के बाद 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मैचों में भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल वापसी की।

संदीप टोप्पो हत्याकांड का खुलासा, पत्नी खुशबू कुमारी निकली मास्टरमाइंड , छह लोग गिरफ्तार

लव मैरेज प्लम्बर पति संदीप से मन उचटा और क्लर्क के दे बैठी जान खुशबू ने पति को लगाया ठिकाना

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा-राँची मुख्य मार्ग पर स्थित मसमानो पुल के पास हुए संदीप टोप्पो हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने हत्याकांड की मास्टरमाइंड और संदीप की पत्नी खुशबू कुमारी समेत 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कर्रा पुलिस ने खुशबू कुमारी और अन्य सभी अलग अलग स्थानों से एक ही साथ छापामारी टीम बनाकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि खुशबू कुमारी ने अपने प्रेमी और अन्य चार लोगों के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया था। घटना के बाद खुशबू भागने की फिराक में थी, लेकिन पुलिस की तत्परता से वह गिरफ्त में आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही संदीप के गाँव के कई ग्रामीण कर्रा थाना पहुँचे और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की थी। डीएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि इस मामले की जाँच के लिए एसपी अमन कुमार के निर्देश पर एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष जाँच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि खुशबू और उसके प्रेमी ने हत्या को इस तरह से अंजाम दिया कि यह किसी अज्ञात अपराधी की करतूत लगे। पुलिस जाँच में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई। बताया जा रहा है कि खुशबू का चरित्र पर उसके पति को संदेह हो गया था कि विद्यालय के क्लर्क के साथ उसकी पत्नी का चक्कर चल रहा है। तभी उसके पति ने उस विद्यालय को छोड़कर अन्य जगह ज्वाइन करने के लिये बोल रहा था । लेकिन उसका प्रेमी प्रदीप कुजूर के साथ प्यार आ ऐसा परवान चढ़ा था कि उसके पति संदीप टोप्पो को ही हटाने की शाजिस रच डाली। इसके बाद खुशबू ने संदीप को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। जबकि उसका पति खुश्बू से बेहद प्यार करता था। लेकिन पत्नी खुशबू का ओहदा बढ़ जाने से न केवल संदीप को पति की नजर से देखती बल्कि उसे एक प्लम्बर मिस्त्री की नजर से देखने लगी। जबकि उसका पति बेहद जवान और उसके प्रेमी से कहीं सुंदर था। लेकिन कहां प्लम्बर मिस्त्री और कहां सरकारी नौकरी करनेवाला क्लर्क। फिर उसको रास्ते से हटाने के लिए अपने प्रेमी प्रदीप कुजूर और अपनी सहेली प्रिया कुमारी कि सहारा ली। जिसमें रोहित और खुश्बू के बीच की योजना को बात साझा करने के लिए लाइनअप प्रिया कुमारी मोबाइल से कर रही थी। वहीं इसके पूर्व खुशबू ने अपने प्रेमी प्रदीप कुजूर के साथ प्लान बनाकर चार लोगों को खोजकर 2 लाख रुपए का सुपारी देकर हत्याकांड में शामिल करने का योजना बनाया, इसके लिए कुछ पैसा उसने उन चारों को दे भी दिया था। जिसमें पवन लकड़ा रोनित कुजूर सुमन सागर कुजूर और एक फरार अभियुक्त सचिन था। जो गिरफ्त से बाहर है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। वहीं जब संदीप अपनी खुशबू के साथ अपना ससुराल से सांस को छोड़कर वापस अपना गांव सुन्डील लौट रहा था। वहीं पत्नी अपनी सहेली प्रिया से रास्ते भर बात कर रही थी और रास्ते का ठिकाना रोहित को बता रही थी। लेकिन इस बात का भनक संदीप नहीं लगा पाया। वहीं इस बीच उसका प्रेमी और हत्याकांड को अंजाम देनेवाले लोग सिसई से होकर गोविंदपुर के रास्ते कर्रा की ओर बढ़ा जिस रास्ते में संदीप और उसकी पत्नी खुशबू जरियाढ़ थाना से होकर कैंची मोड़ से सीधे कर्रा की ओर बढ़ा था। जिसकी हर पल की जानकारी प्रिया खुशबू के प्रेमी प्रदीप को दे रही थी? जिन सबने कर्रा थाना से 2.5 किमी पार करने के बाद मसमानो के जंगल के पास रात को जैसे ही पहुंचा उसके आगे एक बरना कार जेएच-01 सीबी 8297 अचानक सामने आकर रुका और फिर उससे पाँच लोग गाड़ी से उतरकर इनोवा कार में बैठे संदीप को कार से निकालकर उसकी हॉकी से पिटाई की और पत्थर से मारा और फिर पत्नी के कहने पर ही लोगों ने सब्जी काटनेवाला नया चाकू से उसका गला रेतकर काट डाला। और फिर सभी ने योजना बनाई फिर खुश्बू उनके साथ फरार हो गयी ऋ लेकिन उसे क्या पता था कि पुलिस उसका लोकेशन ट्रेक नहीं कर पाएगा। फिर खुश्बू ओरमांझी में उतर गयी और सभी को जाने के लिए कहकर वह ससुराल सुंडील गांव पहुँच गयी। फिर सुबह पुलिस उसे पुछताछ के लिए लायी और फिर उसे छोड़ दिया। इसी बीच मामला पर पुलिस अनुसंधान किया तब मामले पर से पर्दा उठाया । वहीं पहले खुश्बू, फिर प्रिया फिर उसका प्रेमी प्रदीप कुजूर को पकड़ा और सारा मामला बताने तथा तकनीकी अनुसंधान के द्वारा छह लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जबकि एक अभी भी अभियुक्त फरार है।

तेज हवा के बर्फबारी व बारिश ने खूँटी का दृश्य बदला, दो दिन से बिजली व्यवस्था चरमरायी

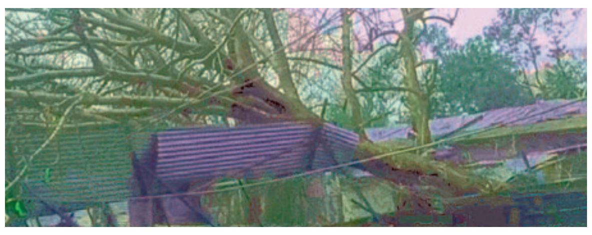

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के शहरी क्षेत्र में वृहस्पतिवार को हुई बारिश ने शहर के कई मुहल्लों कि दृश्य ही बदल डाला। जोकि तुफानी हवा और बर्फबारी से स्टेडियम व घरों तथा गाड़ियों का हालत बिगड़ी गया है। खूँटी शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में तेज हवा के साथ मात्र चार मिनट बारिश हुई लेकिन शहर में तबाही मचा दी। जिसका असर न केवल पेड़ों पर रहा बल्कि घर के छज्जे झोपड़ी , आशियाना, बहुत सारे गुमटी आदी उड़ गये। बिजली के खम्भे टूट गये हैं। जिससे करोड़ों रुपए का नुकसान हो गया। हालांकि धीरे धीरे लोग अपने बिगड़े हालत को सुधारने लगे हैं पर अभी भी उसे ठीक करने में वक्त लगेगा। सीआरपीएफ के अधिकारी मृत्युंजय सिंह ने बताया कि कैंपस में पेड़ गिरने से काफी छाती हुई है गाड़ियां दब गई है। घर उजड़ गए हैं कितना क्षति हुआ इसको हिसाब लगाने के बाद ही पता चल पाएगा। स्थानीय कोच नामजन मुरुम ने बताया कि एस्ट्रो टर्फ मैदान में फुटबॉल ग्राउंड का पवेलियन सेड उड़कर यहां आ गिरा जिससे एस्ट्रो टर्फ क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय निवासी जॉनसन होरो ने बताया कि बजाज कार्ड का सारा झोपड़पट्टी प्लास्टिक सेड सब कल के तूफानी बारिश से उड़ गया है वही पवेलियन का सेट भी उड़ गया। इससे काफी क्षति हुई है। वहीं इस बारिश और तूफान के कारण दो दिनों से बिजली व्यवस्था चरमरा गयी है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

खूँटी । अड़की प्रखण्ड के प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री गणेश महतो जी ने की।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य परंपरागत कारीगरों और हस्तशिल्पियों को योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के प्रति प्रेरित करना था। इसमें स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से जुड़े कारीगरों को योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया और वित्तीय सहायता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। यह जागरूकता कार्यक्रम स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर राज्य स्तरीय शशि शुक्ला, सेंट्रल बैंक, अड़की के प्रबंधक गौरवांश, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड से जिला उद्यमी समन्वयक आतेन विश्वासी तोपनो, जिला प्रबंधक प्रभात कुमार, प्रखंड उद्यमी समन्वयक इम्मानुल मुंडा, आशीष वर्मा, संतोष कुमार सोनी, किरण लता भेंगरा, पंकज कुमार शर्मा (मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड), मुखिया, पंचायत सचिव तथा 60 से अधिक लाभुक एवं आवेदक उपस्थित रहे। इस जागरूकता कार्यक्रम को संपन्न कराया गया।

कृषि एवं वनोपज आधारित ग्रामीण स्वरोजगार सृजन विषय पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला में पहुँची कृषि मंत्री

बिभा संवाददाता

खूँटी । सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र, फूदी (खूंटी) में सिद्धो कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड), रांची द्वारा कृषि एवं वनोपज आधारित ग्रामीण स्वरोजगार सृजन विषय पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई। मौके पर मंत्रीजी ने कार्यक्रम स्थल पर वृक्षारोपण की फिर सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र में बने प्रशिक्षण कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष समेत अन्य का निरीक्षण कर इसके सुचारू रूप से संचालन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान माननीय मंत्री द्वारा तोरपा एवं मुरहू प्रखंड में 500 मीट्रिक टन छमता वाले गोदाम निर्माण को लेकर विधिवत रूप से शिलान्यास भी किया गया।

कृषि एवं वनोपज आधारित ग्रामीण स्वरोजगार सृजन विषय पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर माननीय मंत्री द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक राम सूर्या मुंडा एवं तोरपा विधानसभा सुदीप गुड़िया कार्यशाला में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला में कृषि एवं वनपोज अंतर्गत खूँटी जिला में मुख्य रूप से लाह की खेती, मधुमक्खी पालन समेत अन्य कृषि कार्य के विषय पर किसानों को विशेषज्ञ द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। वहीं किसानों ने भी अपने अपने प्रशन विशेषज्ञों के समक्ष रखे साथ हीं कई सुझाव भी दिए।

कार्यशाला में मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का जिक्र करते हुए खूँटी जिला में लाह की खेती को बड़े पैमाने पर उपजाने और इसे देश विदेश तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने किसानों से अपील किया कि वह अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिसका फायदा उन्हें लाह की खेती में मिले, और इसे बेच अच्छा मुनाफा कमा सके। इस दौरान कुछ किसानों को टूल किट भी प्रदान किया गया। उन्होंने आने वाले समय में किसानों के लिए ट्रेड मार्केट जैसे कार्यक्रम के आयोजन की बात कही, जहां किसान अपने उत्पादों की बिक्री सीधे तौर पर कर पाएंगे और अच्छा मुनाफा कमा सकेंगे। वहीं लाह की खेती, मधुमक्खी पालन समेत अन्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक राम सूर्या मुंडा एवं सुदीप गुड़िया ने भी अपने विचार साझा किए और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि एवं वनोपज के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ हीं आने वाले समय में किसानों के लिए सिंचाई की व्यवस्था को और भी सुदृढ़ करने की बात कही।

कार्यशाला में मुख्य रूप से सिद्धकोफेड के निदेशक, सीईओ, सचिव, कंसल्टेंट समेत सिद्धकोफेड के अन्य पदाधिकारी, कर्मी, काफी संख्या में किसान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खूंटी व सयको थाना क्षेत्र से एक-एक अफीम खेतीहर गिरफ्तार

खूँटी । अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में वृहस्पतिवार को अवैध अफीम की खेती के विनष्टीकरण तथा संलिप्त व्यक्तियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये गये छापामारी अभियान के दौरान खूँटी थाना अन्तर्गत ग्राम ओण्डरा से एवं सायको थाना अन्तर्गत ग्राम जिलिंगकेला से अवैध अफीम की खेत में काम करते हुए एक–एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्तियों द्वारा अधीक पैसा के लालच में अवैध अफीम / पोस्ता की खेती करने की बात स्वीकार की गई है। जिसमें ओंडरा से मो० इमरान खान और सयको थाना क्षेत्र के दुरुडीह गांव के खेत से लाखा पाहन को गिरफ्तार किया गया। जिन्हें शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गुटजोरा गाँव में निशुल्क एकदिवसीय चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

खूँटी । गुटजोरा गाँव में वृहस्पतिवार को ग्राम विकास समिति गुटजोरा की अगुवाई में एकदिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अमेरिका के हृदय रोगी विशेषज्ञ भोलाराम गंझू ने नि:शुल्क उपचार किये। वहीं आशा संस्था द्वारा संचालित चलंत चिकित्सालय के माध्यम से लोगों को नि:शुल्क दवा वितरण भी किया। इस दौरान आशा संस्था के अगुवाई में रक्त व शुगर जाँच, इकेजी जाँच, आदि का व्यवस्था था। जिसमें गुटजोरा पंचायत अंतर्गत आनेवाले सैकड़ों ग्रामीणों ने इसका लाभ लिया। इस कार्यक्रम में रामचंद्र महतो , पारसनाथ महतो, राम महतो, अनिल महतो , पवन महतो , पंचन महतो, पंकज कुमार, अन्य ग्रामीणों का सार्थक सहयोग रहा। यह जानकारी अरुण कुमार ने दी।

अड़की थाना क्षेत्र से 919 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो लोग गिरफ्तार

खूँटी । जिले में एसपी अमन कुमार के निर्देश पर अफीम खेती के विरुद्ध कार्रवाई करने के क्रम वृहस्पतिवार को अवैध रूप से अफीम की खेती करने तथा अफीम के फल में चीरा लगाने वालों के विरूद्ध विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। जिसमें अड़की थाना अन्तर्गत ग्राम गितिलबेड़ा एवं गुरबेड़ा में अवैध अफीम /पोस्ता के फल में चीरा लगाते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर नाम पता पूछा गया। जिनके द्वारा अपना-अपना नाम पता क्रमशः ठेबा मुण्डा उर्फ धुमा मुण्डा उम्र करीब 51 वर्ष पे०-मोठालाल मुण्डा सा०-गितिलबेड़ा एवं गुरूदयाल सिंह मुण्डा उम्र करीब 56 वर्ष पे०-मंगल सिंह मुण्डा सा०-गुरबेड़ा दोनों थाना अड़की, जिला-खूँटी बताया गया तथा दोनों के द्वारा अधिक पैसा कमाने के लालच में अफीम की खेती करने की बात स्वीकार की गई है। इन दोनों के पास से अफीम के फल में चीरा लगाने वाला औजार तथा इन दोनों के निशानदेही पर ग्राम गुरबेड़ा के जबरा मुण्डा के पुआल में छिपाकर रखे गये करीब 919 ग्राम अवैध अफीम को बरामद किया गया है। जिस संदर्भ में कांड दर्ज कर अनुसंधान एवं अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। बरामद अफीम का एनसीबी द्वारा अनुमानित दर के आधार मुल्य 4,59,500 / रूपया पाया गया है। उल्लेखनीय है कि गुरूदयाल सिंह मुण्डा ग्राम गुरबेड़ा का ग्राम प्रधान भी है। इस छापामारी दल में परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक, जमशेदपुर वर्तमान कैम्प रोहित कुमार साव, अड़की थाना प्रभारी पु०अ०नि० प्रवीण कुमार तिवारी, पु०अ०नि० कुंदन कुमार, पु०अ०नि०, राजीव कुमार तुरी, अड़की थाना सशस्त्र बल एवं खअढ सशस्त्र बल शामिल पदाधिकारी/बल थे।

खूँटी के कस्तूरबा गांधी जेईई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को जिला प्रशासन करेगी मदद

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के 18 अभ्यर्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण हुए हैं। जो जेईई की पढ़ाई किसी नामी इंजिनियरिंग महाविद्यालय में पढ़ाई करेंगे। वहीं खुशी की बात है कि ये वैसे छात्रा अभ्यर्थी हैं जो बहुत ही गरीब परिवार से आती है। जो कभी इस पढ़ाई के लिए सोच भी नहीं सकती थी। लेकिन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ रही बच्चियों को जेईई की निःशुल्क तैयारी करायी जाती है। जिसका परिणाम है कि 18 छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण होकर जिले का नाम रौशन किया है। लेकिन उनके सामने इंजिनियरिंग की पढ़ाई के लिए गरीबी आड़े आ रही थी। जिसकी खबर जी न्यूज ने प्रसारित किया था। जिसके बाद उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि उनकी आगे की पढ़ाई के लिए गरीबी रोड़ा नहीं बनेगी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में गरीब छात्राओं का चयन होता है। इसलिए उनके इंजिनियरिंग की पढ़ाई के लिए गरीबी रोड़ा नहीं बनेगी। जिला प्रशासन उनकी मदद करेगा। उपायुक्त ने बताया कि सरकार गरीब बच्चियों को शिक्षित करने के लिए कटिबद्ध है। वहीं उच्च शिक्षा के लिए योजनाएँ चलायी जा रही है। और जिला प्रशासन भी अपनी ओर से पढ़ाई के लिए योजनाएँ बनाई है। क्योंकि जिले में साइंस पढ़नेवाली बच्चियों की संख्या बहुत कम थी लेकिन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय उदाहरण बन गया है कि साइंस पढ़कर बच्चियाँ जेईई मेंस परीक्षा उत्तीर्ण की है।

संक्षिप्त खबरें

अवैध खनन के खिलाफ मेसर्स रामजान की स्टोन पर लगा 3.78 करोड़ का जुर्माना

गिरिडीह(बिभा) : जिले में अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गयी है. खनन विभाग ने मेसर्स रामजानकी स्टोन पर 3 करोड़ 78 लाख 12 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। वन विभाग के क्षेत्रीय वन प्रबंधक ने गिरिडीह वन प्रमंडल पदाधिकारी को स्थलीय जांच करने का निर्देश दिया था। इस जांच में पाया गया कि खदान का पट्टा गलत तरीके से लिया गया है।

अवैध अफीम की खेती पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

चाईबासा(बिभा) : पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत टेबो थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई टेबो थाना क्षेत्र के सोंगरा गांव में की। पुलिस को सूचना मिली थी कि सोंगरा गांव में कुछ लोग अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने 19 फरवरी को छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार लोगों को अफीम के खेत में चीरा लगाते हुए देखा। पुलिस ने चारों को पकड़ने की कोशिश की, जिसमें से दो को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो भागने में सफल रहे।

लोहरदगा में डेढ़ साल के बच्चे के गले में अटका मटर, सांस रुकने से हुई मौत;

लोहरदगा(बिभा) : जिले के कैरो थाना क्षेत्र के गुड़ी करंज टोली से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां डेढ़ साल के बच्चे के गले में मटर फंसने से उसकी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि घर में रखा मटर रखा था। जिसे डेढ़ साल का बच्चा शिवम उरांव खाने लगा। इसी दौरान एक दाना बच्चे के गले में फंस गई, जिससे उसकी सांसे अटकने लगी। बच्चे के सांस को रुकता देख परिजन तुरंत उसे लेकर लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

महाकुंभः श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल ने 757 स्पेशल ट्रेनों का किया परिचालन

हाजीपुर(बिभा): महाकुंभ-2025 के श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के विभिन्न स्टेशनों से अबतक कुल 757 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया। इनमें पटना जं से 21, गया से 20, मुजफ्फरपुर से 04, जयनगर से 03, दरभंगा से 02, रक्सौल से 02, सहरसा से 02, धनबाद से 02, किउल एवं बरौनी से 01-01 ट्रेनों सहित कुल 58 कुंभ स्पेशल ट्रेनों का प्रयागराज जाने हेतु परिचालन किया गया । इसके साथ ही अन्य रेलवे से खुलकर पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होते हुए प्रयागराज जाने हेतु कुल 85 कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का भी परिचालन किया गया । इसके साथ ही प्रयागराज एवं उसके आसपास के स्टेशनों से डीडीयू के लिए 111, गया के लिए 78, सासाराम के लिए 11, धनबाद के लिए 13, पटना के लिए 42, दानापुर के लिए 34, बक्सर के लिए 31 कुंभ स्पेशल ट्रेनों सहित पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों के लिए कुल 387 कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया । प्रयागराज एवं उसके आसपास के विभिन्न स्टेशनों से डीडीयू स्टेशन तक विभिन्न ट्रेनों द्वारा काफी संख्या में मेला श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण उनके सुविधा के मद्देजनर डीडीयू से विभिन्न स्टेशनों के लिए यथा डीडीयू से गया के लिए 100, डीडीयू से दानापुर के लिए 38, डीडीयू से बक्सर के लिए 69, डीडीयू से पटना के लिए 08 एवं अन्य स्टेशनों सहित कुल 227 कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का भी परिचालन किया गया ।

कामाख्या-दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल एवं गुवाहाटी - मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस के समय में संशोधन

रांची(बिभा) :15658 कामाख्या झ्र दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल का समय मालदा मंडल के अंतर्गत निम्नानुसार संशोधित किया गया है। रेलवे ने निम्नलिखित एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में संशोधन करने का निर्णय लिया है। (प्रभावी तिथि एवं यात्रा प्रारंभः 26.02.2025 से)
(आगमन/प्रस्थान समय):
मालदा टाउन - 04:25/04:35 बजे , न्यू फरक्का जं. - 05:07/05:09 बजे, बरहरवा जं. - 05:44/05:46 बजे, साहिबगंज - 06:34/06:39 बजे, कहलगांव - 07:16/07:18 बजे, भागलपुर - 08:16/08:26 बजे, सुल्तानगंज - 08:48/08:50 बजे, जमालपुर - 09:25/09:35 बजे, अभयपुर - 09:56/09:58 बजे
15648 गुवाहाटी - मुंबई एलटीटी साप्ताहिक एक्सप्रेस का समय निम्नानुसार संशोधित किया गया है (प्रभावी तिथि एवं यात्रा प्रारंभः 26.02.2025 से) (आगमन/प्रस्थान समय): साहिबगंज - 06:46/06:51 बजे, कहलगांव - 07:28/07:30 बजे, भागलपुर - 08:30/08:40 बजे, सुल्तानगंज - 09:03/09:05 बजे, बरियारपुर - 09:24/09:26 बजे, जमालपुर - 09:41/09:51 बजे, अभयपुर - 10:10/10:13 बजे।

चेन्नई में आयोजित दो दिवसीय मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में झारखंड ने भी लिया है भाग

झारखंड है स्टेट पार्टनर की भूमिका में

फिक्की द्वारा 21 और 22 फरवरी को किया जा है आयोजन

कॉनक्लेव में दक्षिण भारत के सुपर स्टार कमल हसन भी रहे मौजूद

बिभा संवाददाता

चेन्नई/रांची : फिक्की द्वारा 21 और 22 फरवरी को चेन्नई में आयोजित मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में झारखंड फि ल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड ने भी भाग लिया है । इस कॉनक्लेव में झारखंड, महाराष्ट्र और गुजरात पार्टनर स्टेट की भूमिका में हैं । कॉनक्लेव का उद्घाटन तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा किया गया । इस अवसर पर साउथ के प्रसिद्ध फि ल्मकलाकार श्री कमल हसन , तृषा कृष्णन सहित दक्षिण भारत के कई फिल्मकार और कलाकारों ने भाग लिया ।

झारखंड में फिल्म बनाने के लिए सरकार दे रही है अनुदान

श्री कुशवाहा ने बताया कि मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में उपस्थित फि ल्मकारों को जेएफडीसीएल द्वारा फि ल्मकारों को दिए जाने वाले अनुदान के संबंध में जानकारी दी गई । उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार, झारखंड में फि ल्म को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। झारखंड में फि ल्म के बनाने के लिए सरकार अनुदान भी दे रही है । झारखंड में फिल्म और फि ल्मकारों एवं कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए झारखंड फि ल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड(JFDCL) की स्थापना की गई है ।

फि ल्मकारों को झारखंड में फिल्म की शूटिंग के लिए किया गया आमंत्रित

कॉनक्लेव में झारखंड की ओर से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक श्री बीरू कुशवाहा और जेएफडीसीएल के सहायक कंपनी सचिव श्री अमन कुमार ने भाग लिया। श्री बीरू कुशवाहा ने बताया कि नॉलेज सीरीज सेशन के दौरान उपस्थित सभी फि ल्मकारों को झारखंड में फि ल्म की शूटिंग के लिए आमंत्रित किया गया । बताया गया कि झारखंड में फि ल्म की शूटिंग करने का काफी अनुकूल माहौल है । झारखंड की खूबसूरत वादियाँ और कई मनमोहक पर्यटक स्थल है जो फि ल्म की शूटिंग के लिए बेहतरीन हैं। इस दौरान झारखंड के पर्यटक स्थल, कला संस्कृति ,माइंस सहित झारखंड की विशेषताओं पर आधारित एक वीडियो डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

भव्य शिवबारात आयोजन को लेकर पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के सचिव ने की बैठक

बिभा संवाददाता

देवघर : पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार की अध्यक्षता में शिवबारात के सफल संचालन को लेकर बैठक का आयोजन देवघर परिसदन के सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने महाशिवरात्रि के अवसर पर निकलने वाली शिवबारात की तैयारियों एवं चल रहे विभिन्न कार्यों से अवगत कराया।

इसके अलावा बैठक के दौरान पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के सचिव मनोज कुमार ने शिवबारात के दौरान विधि व्यवस्था व आपसी समन्वय के साथ कार्यों के निष्पादन को लेकर संबंधित अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा निर्देश दिया, ताकि शिवबारात का आयोजन भव्य तरिके से किया जा सके। साथ ही शिव बारात की झाँकी को लेकर किए जाने वाले विभिन्न कार्यों के अलावा शिवबारात को लेकर विद्युत आपूर्ति व विद्युत प्रमंडल को बिजली के तार, सड़क किनारे विद्युत पोल और विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही नगर निगम व आरसीडी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिवबारात रुटलाइन में साफ-सफाई, नालों और सड़क किनारे गड्डे के अलावा सड़को की मरम्मती को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने शिवबारात के व्यापक प्रचार प्रसार को लेकर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपरोक्त के अलावे अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर श्री रवि कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार भारती, गोपनीय पदाधिकारी श्री मुकेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी श्री संतोष कुमार, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, विद्युत आपूर्ति, आरसीडी, सहायक नगर आयुक्त, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

संथाल परगना की संस्कृति बिखेरती उल्लास जुलूस के साथ राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव का पारंपरिक रूप से हुआ उद्घाटन

दुमका : मयूराक्षी नदी के तट पर 21 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाले राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव-2025 का विधिवत शुभारंभ किया गया।उद्घाटन से पूर्व उल्लास जुलूस निकाला गया, जिसमें काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग परंपरागत परिधान पहनकर पारंपरिक वाद्य यंत्र के साथ शरीक हुए।महोत्सव की शुरूआत से पूर्व हिजला मेला परिसर में स्थित मांझी थान में विधिवत पूजा अर्चना की गई।स्थानीय ग्राम प्रधान ने फीता काटकर मेले का उदघाटन किया।इसके उपरांत अनुमंडल पदाधिकारी अभिनव प्रकाश ने मंच के समीप ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।मेले के उद्घाटन सत्र में विभिन्न विद्यालयों के छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।इसके साथ ही छऊ नृत्य और नटवा नृत्य भी पेश किए गए।

एक दिवसीस भर्ती कैम्प का आयोजन

लातेहार: श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार के तत्वाधान में जिला नियोजन कार्यालय, लातेहार के द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने हेतु एक दिवसीस भर्ती कैम्प का आयोजन जिला खेल स्टेडियम, लातेहार परिसर में किया गया। इस कैम्प का विधिवत शुभारंभ जिला नियोजन पदाधिकारी श्री संतोष कुमार के द्वारा किया गया। विभिन्न निजी नियोजकों के द्वारा लगभग 550 रिक्ति प्राप्त हुए। जिसमें 14 युवक/युवतियों को विभिन्न पदों हेतु सिलेक्टेड एवं 15 युवक/युवतियों को दूसरे राउंड हेतु शॉर्टलिस्टेड किया गया। इस दौरान जिला नियोजन पदाधिकारी के द्वारा जिला नियोजनालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया गया एवं सभी से अपील किया गया कि अपना निबंधन जिला नियोजनालय में करवायें और जिला नियोजनालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ लें। साथ ही सभी युवक/युवतियों से अपील की गई कि निकटतम नियोजनालय में पर अपना निबंधन अवश्य करा लें। आगे उन्होंने बताया कि समय-समय पर जिला में रोजगार मेला/भर्ती कैम्प का आयोजन की जायेगी, जिससे जिला के बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान की जा सके।

महाकुम्भ के भव्य आयोजन में भारतीय रेल का कार्य अभिनंदनीयः योगी

संवाददाता

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में महाकुम्भ को लेकर भारतीय रेलवे के प्रयासों को सराहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल ने प्रयागराज जिले के सभी 9 रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया। उनका विस्तार कर उसमें होल्डिंग एरिया बनाए। 3000 से भी अधिक स्पेशल ट्रेन चलाईं। भारतीय रेल का कार्य बहुत अभिनंदनीय है। बेहतर कॉर्डिनेशन के माध्यम से रेल मंत्री स्वयं कॉर्डिनेशन के साथ जुड़े थे, लगातार मेरे साथ बातचीत हो रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष हों, महाप्रबंधक या डीआरएम स्तर अधिकारी, सभी ने पूरी तत्परता के साथ इस पूरे आयोजन में सहभागिता निभाई है। भारतीय रेल ने महाकुम्भ में जितनी मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने की आवश्यकता पड़ी, रेलवे ने उतनी ट्रेनें चलाई। श्रद्धालुओं को प्रयागराज से उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए रेलवे ने पूरा सहयोग किया है। ऐसे सहयोग की वजह से ही महाकुम्भ जैसा आयोजन इतनी भव्यता और दिव्यता के साथ आगे बढ़ पाया और उसको हम इस रूप में आगे बढ़ाने का काम कर पाएं।

बता दें कि भारतीय रेल ने वृह्द तैयारियों के साथ भव्य दिव्य और डिजिटल महाकुम्भ में सहभागिता निभाई है। 13,500 से अधिक ट्रेनों जिसमें 3500 से अधिक विशेष गाड़ियां शामिल हैं, 13,000 कर्मयोगियों और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली के साथ प्रयागराज क्षेत्र में यात्रियों की सेवा में तत्पर रहा है। 1186 सीसीटीवी, डेढ़ लाख यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया, 24 घंटे की मॉनिटरिंग और कुशल क्राउड मैनेजमेंट से पूरी व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुदृढ़ किया गया है। 48 डिजिटल टिकटिंग, बहुभाषी उद्घोषणाएं और सुविधाजनक सेवाएं रेलवे की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। भारतीय रेल, श्रद्धालुओं के हर कदम पर उनके साथ, महाकुंभ को अविस्मरणीय बना रही है।

चंदवा उप डांकघर की प्रिंटिंग मशीन तीन दिन से खराब, डांक विभाग उदासीन

बिभा संवाददाता

चंदवा (लातेहार) : उप डांकघर चंदवा की प्रिंटिंग मशीन तीन दिन से खराब है पड़ा है, शिकायत मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता सह पंचायत समिति सदस्य अयुब खान व माकपा नेता बैजनाथ ठाकुर ने उप डांकघर चंदवा के डांक कर्मचारियों से मिलकर प्रिंटिंग मशीन खराब होने की जानकारी ली।

डांक विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि मशीन खराब होने की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है, एक दो दिन में प्रिंटर मशीन ठीक हो जाएगी इसके बाद रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट डांकघर से चालु हो जाएगा।

पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने बताया कि प्रिंटिंग मशीन खराब होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है, रजिस्ट्री करने के लिए प्रखंड वासीयों को लातेहार और बालूमाथ डांकघर जाना पड़ रहा है, खराब प्रिंटर मशीन को ठीक करने के प्रति डांक विभाग उदासीन बना है, विभाग के उदासीन रवैया का खमियाजा लोगों को उठाना पड़ रहा है।

स्पीड पोस्ट एवं साधारण रजिस्टर्ड पत्र भेजने की व्यवस्था उप डाकघर में ठप होने के कारण लोग मजबूरी में बीस व तीस किलोमीटर की दूरी तय कर दुसरे प्रखंड के डांकघर जा रहे हैं, इससे लोगों को समय के साथ पैसे की भी बबार्दी हो रही है। प्रिंटिंग मशीन के बिना सरकारी जॉब के लिए आवेदन हेतु रजिस्ट्री चिट्ठी जैसे महत्वपूर्ण कार्य ठप है, ऐसे में विभाग को तुरंत नया मशीन मंगा लेना चाहिए, जिससे आम जनमानस का परेशानी न हो और उसका महत्वपूर्ण काम हो सके।

अयुब खान ने प्रधान डांकघर के अधिकारियों से उप डाकघर चंदवा के खराब प्रिंटर मशीन को जल्द ठीक कराकर रजिस्ट्री व स्पीड पोस्ट चालु कराने की मांग की है।

महाकुंभ मेला के मद्देनजर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पीआरपी स्थित वॉर रूम पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

हाजीपुरः महाकुंभ मेला-2025 के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन स्थिति की निगरानी हेतु महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल श्री छत्रसाल सिंह ने अन्य विभागाध्यक्षों के साथ आज पीआरपी स्थित वॉर रूम पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरसंभव कदम उठाएं जाएं । उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों के परिचालन के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए ।

विदित हो कि महाकुंभ-2025 के श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के विभिन्न स्टेशनों से अबतक कुल 757 कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया है । इसके साथ उनकी सुविधा हेतु 19 प्रमुख स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया का निर्माण भी कराया गया है जिसमें आवास, भोजन और अन्य आवश्यक चीजों की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि प्रतीक्षारत यात्री अपनी ट्रेनों में चढ़ने तक आराम से रह सकें। स्टेशनों पर उनकी सुरक्षा हेतु कड़े प्रबंध किए गए है तथा काफी संख्या में आरपीएफ, जिला पुलिस एवं एसएसबी की सेवा ली जा रही है । रेलवे सुरक्षा बल की मदद से यात्रियों को पंक्तिबद्ध कर ट्रेनों में चढ़ाया जा रहा है ताकि किसी तरह की असुविधाजनक स्थित उत्पन्न न हो ।

धुरकी पुलिस ने आधा दर्जन वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

गढ़वा : पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के निर्देशानुसार समकालीन अभियान चलाकर थाना क्षेत्र के अलग अलग कांडों के 6 वारंटी को धुरकी पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया है। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि धुरकी थाना क्षेत्र के किसी भी मामले का अभियुक्त होंगे उन्हें हर हाल में गिरफ्तार कर जेल भेजा जायेगा। गिरफतार किये गये अभियुक्तों में मुकेश यादव, विमलेश कुमार, दिननाथ साव, उदय तुरिया, लक्ष्मण तुरिया, जितेंद्र कुमार आदि का नाम शामिल है. विदित हो कि एक साथ आधा दर्जन वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजना धुरकी पुलिस की बड़ी उपलब्धि है। पूर्व में एक महीने के भीतर थाना प्रभारी उपेन्द्र के नेतृत्व में धुरकी पुलिस ने करीब 2 दर्जन से अधिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

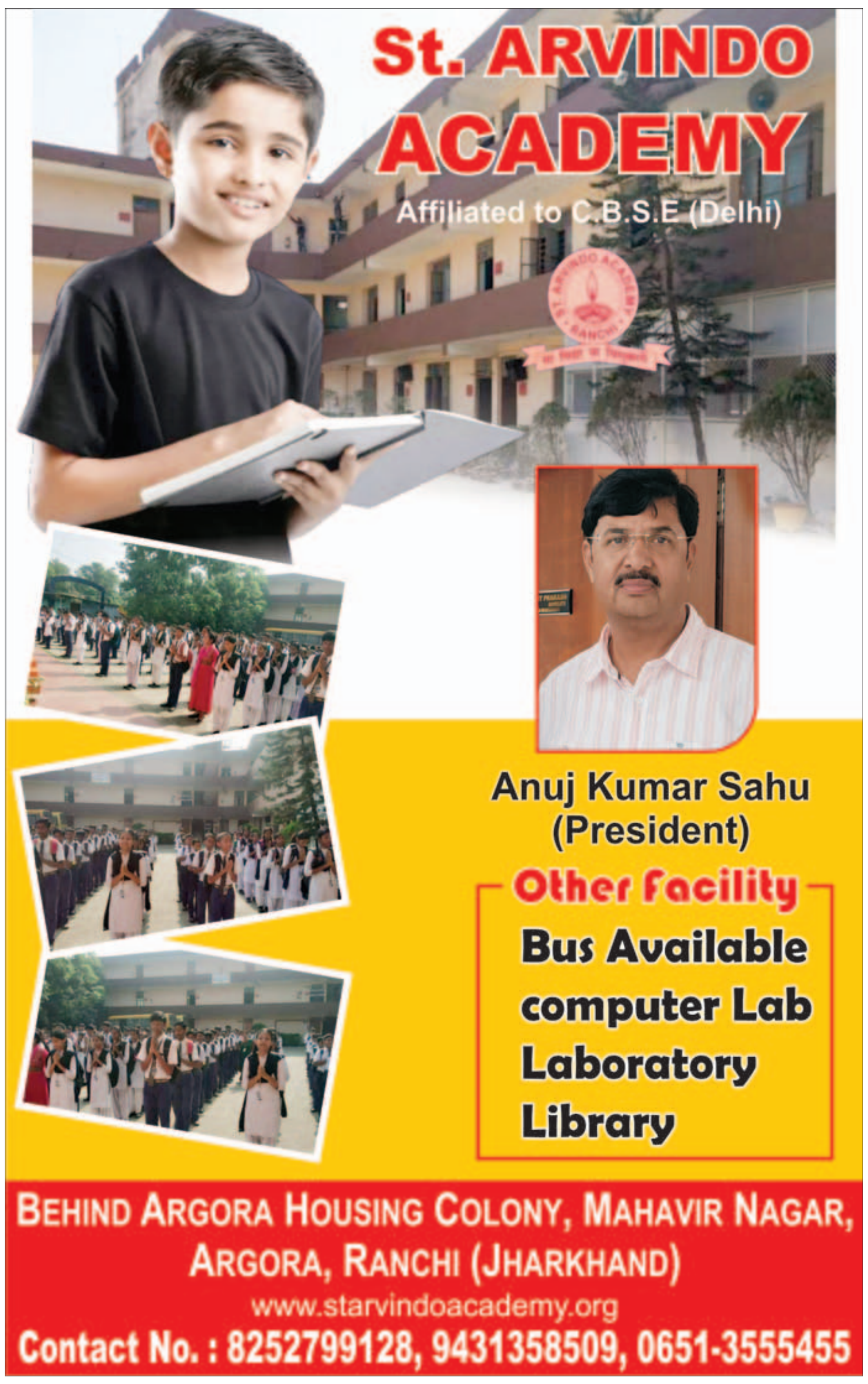

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू** *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com